अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 311 लखनऊ, शुक्रवार, 30 मई 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

रक्षा क्षेत्र के तीन डीपीएसयू को मिलेगा मिनी रत्न का दर्जा, रक्षा मंत्री ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। देश की म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआईएल), आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (एवीएनएल) और इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड (आईओएल) को 'मिनी रत्न' का दर्जा दिया जाएगा। तीन साल की अवधि में सरकारी संगठन से लाभ कमाने वाली कॉर्पोरेट इकाई में तब्दील होने के लिए इन डीपीएसयू को रक्षा मंत्री ने श्रेणी-क्र का दर्जा देने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने टर्नओवर बढ़ाने, स्वदेशीकरण में सहयोग करने और अन्य मापदंडों को पूरा करने के लिए तीनों कंपनियों के प्रबंधन की भूमिका को सराहा। रक्षा मंत्रालय के अनुसार म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड ने अपनी स्थापना के बाद से ही कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं, जिसमें 2021-22 में 3314 करोड़ रुपये से लेकर वित्त वर्ष 2024-25 में 8214 करोड़ रुपये (अनंतिम) तक की बिक्री में 200 फीसदी से अधिक की शानदार वृद्धि शामिल है।

घर-घर सिंदूर बांटने की मुहिम 'घटिया' राजनीति : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी की घर-घर जाकर सिंदूर बांटने की मुहिम को 'घटिया' सियासत बताया है। पार्टी का कहना है कि बड़े-बड़े पोस्टर से मन नहीं भरा तो अब भाजपा घर-घर जाकर सिंदूर बांटने की राजनीति कर रही है। कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी की नेता रागिनी नायक ने कहा कि सिंदूर का दुरुपयोग घटिया राजनीति है। यह बेहद शर्म की बात है कि अपनी राजनीतिक और कूटनीतिक विफलताओं को छुपाने के लिए मोदी सरकार मांग के सिंदूर को ढाल बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि सिंदूर भारत की नारी शक्ति की आन बान और शान है।

पीएम का कानपुर दौरा आज, देंगे 47.5 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं का तोहफा

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को कानपुर के दौरे पर रहेंगे। प्रधानमंत्री यहां 47,573 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 15 मेगा विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। इस भव्य आयोजन के माध्यम से सरकार शहर को विश्वस्तरीय सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में कई महत्वपूर्ण घोषणाओं के साथ नगर में मेट्रो विस्तार की भी उम्मीद की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी 30 मई को एक दिनी दौरे पर शुक्रवार को कानपुर आ रहे हैं।प्रधानमंत्री यहां मेट्रो लाइन के नए रूट का लोकार्पण सहित 47,573 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 15 मेगा विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

शिक्षा डिग्री नहीं, समग्र विकास की धुरी है : योगी

यूपी सरकार और ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को नया शैक्षणिक आयाम देगा यह समझौता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की शिक्षा प्रणाली को वैश्विक उत्कृष्टता से जोड़ते यूपी सरकार और ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित मोनाश यूनिवर्सिटी के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए हैं। यह एमओयू प्रदेश के बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्रों एवं अध्यापनरत शिक्षकों के लिए शोध-अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहयोग के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता को एक नई ऊँचाई देगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा को केवल डिग्री अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि राज्य के समग्र विकास की धुरी मानती है। यह साझेदारी राज्य के शिक्षा तंत्र में गुणवत्ता, नवाचार और वैश्विक दृष्टिकोण का समावेश करेगी और युवाओं को विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने इस एमओयू को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप बताते हुए कहा कि यह बहुआयामी अधिगम, कौशल विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को गति देगा। उन्होंने वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ प्रदेश की पूर्व सहभागिता का उल्लेख करते हुए कहा कि अब मोनाश यूनिवर्सिटी के साथ यह गठबंधन शिक्षा के वैश्विक मानकों की ओर एक और बड़ा कदम है। इस सहयोग का केंद्र गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय होगा जो इस साझेदारी को धरातल पर उतारने में अहम भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के कुलपति को इस उत्तरदायित्व का सफल निर्वहन सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया।

मुख्यमंत्री ने भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे वैदिक ऋषियों ने ह्लआ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतःङ्क का आह्वान किया था, अर्थात विश्व के सभी दिशाओं से शुभ विचार हमारे पास आएं। यह एमओयू उसी भावना की आधुनिक अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को 'ज्ञान की राजधानी' बनाने की दिशा में सरकार संकल्पित है और इस प्रकार की साझेदारियां राज्य को वैश्विक शिक्षा मानचित्र पर अग्रणी स्थान दिलाएँगी। इस अवसर पर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने एमओयू के विभिन्न पहलुओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए बताया कि यह सहयोग उत्तर प्रदेश के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक मंचों से जुड़ने का मार्ग प्रशस्त करेगा। 1958 में स्थापित मोनाश यूनिवर्सिटी में वर्तमान में 84,000 से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं। यह विश्व की अग्रणी अनुसंधान आधारित संस्थाओं में से एक है। विश्वविद्यालय के कुलपति जो हिंदी भाषा में निपुण हैं और जिन्होंने बिजनौर (उत्तर प्रदेश) में अपने पूर्व प्रवास के दौरान गहन सामाजिक-सांस्कृतिक समझ विकसित की है ने मुख्यमंत्री से संवाद में कहा कि यह समझौता भारत और ऑस्ट्रेलिया के संबंधों को एक नए शैक्षणिक और सांस्कृतिक आयाम पर ले जाएगा। उन्होंने इसे केवल एक औपचारिक संधि नहीं, बल्कि दो लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राष्ट्रों के बीच बौद्धिक संवाद का नया अध्याय बताया। इस समझौते को मूर्त रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोफ़ेसर और वर्तमान में मोनाश यूनिवर्सिटी से संबद्ध प्रो. मनीषा ने बताया कि मोनाश में प्रतिवर्ष लगभग 30,000 शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इन शिक्षकों में अफगानिस्तान और म्यांमार जैसे युद्धग्रस्त देशों के शिक्षक भी शामिल हैं। अब उत्तर प्रदेश के शिक्षकों को भी इसी स्तर का प्रशिक्षण सुलभ हो सकेगा। उन्होंने इसे प्रदेश में शैक्षणिक प्रत्यावर्तन की नींव बताते हुए कहा कि यह साझेदारी उत्तर प्रदेश को नई पहचान देने में उपयोगी सिद्ध होगी। इस अवसर पर मोनाश यूनिवर्सिटी से प्रो. क्रेग जेफ्री, डिप्टी वाइस चांसलर (इंटरनेशनल) एवं सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, डॉ. ग्रेग कुसैक, चीफ ऑफ कोर्सवर्क ऑफिसर एवं डिप्टी डीन, प्रोफ़ेसर मनीषा प्रियम, डिस्टिंग्विश्ड प्रोफ़ेसर, ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग से डिप्टी हाई कमिश्नर निक मैककैफ्री, जॉर्ज थिवेओस, मंत्री-परामर्शदाता (शिक्षा एवं अनुसंधान), नथानियल वेब, फर्स्ट सेक्रेटरी (शिक्षा एवं अनुसंधान), क्लार्क, परामर्शदाता ए/जी (आर्थिक) टॉम ओवरटन, प्रो. राणा पी. सिंह, कुलपति, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, प्रदेश सरकार के बेसिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभागों के मंत्रीगण, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारीगण एवं मोनाश यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्हें उत्तर प्रदेश की 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना के अंतर्गत निर्मित विशिष्ट उत्पाद भेंट किए, जो राज्य की सांस्कृतिक विविधता और उद्यमशीलता का प्रतीक हैं।

गरीब, किसान, नारी, नौजवान विकसित भारत के चार स्तंभ: मोदी

एजेंसी

गंगटोक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि विकसित भारत का निर्माण गरीब, किसान, नारी और नौजवान - इन चार स्तंभों पर खड़ा होगा तथा सरकार देशभर में इन्हें मजबूत करने में लगी है। पीएम मोदी सिक्किम राज्य के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में यहां आयोजित एक कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। सिक्किम 16 मई को अपना स्थापना दिवस मनाता है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए हर राज्य का विकास जरूरी है। हर राज्य की अपनी विशेषताएं हैं। हमने पूर्वोत्तर क्षेत्र को विकास के केन्द्र में रखा है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर सिक्किम में विकास की कई परियोजनाओं का शिलान्यास तथा उद्घाटन किया और कहा कि सिक्किम पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास की एक चमकती गाथा बन रहा है। उन्होंने कहा कि सिक्किम में पिछले एक दशक से बड़े परिवर्तन हो रहे हैं, जिसका यहां के लोग अनुभव कर रहे हैं। दस वर्षों में इस क्षेत्र में सम्पर्क सुविधाओं का विकास हुआ है। राज्य में 400 किलोमीटर के राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण हुआ है और सैंकड़ों किलोमीटर लम्बी ग्रामीण सड़कें बनायी गयी हैं। उन्होंने कहा कि अटल सेतु बनने से भी सिक्किम का सम्पर्क बढ़ा है तथा गंगटोक और बागडोगरा के बीच आवागमन में आसानी हुयी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिक्किम के किसानों की प्रशंसा करते हुये कहा कि यह राज्य जैविक खेती में देश में अग्रणी स्थान पर है। उन्होंने कहा कि राज्य से जैविक मिर्च की पहली खेप मार्च में विदेश भेजी गयी है और भविष्य में ऐसे अनेक उत्पाद हैं जो विदेश भेजे जायेंगे।

अभी खत्म नहीं हुआ है 'ऑपरेशन सिंदूर', किसी भी हमले से सख्ती से निपटा जाएगा: मोदी

अलीपुरद्वार। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को दोहराया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है और चेतावनी दी पाकिस्तानी सेना या आतंकवादियों ने अब कोई हमला किया तो उसका मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा। श्री मोदी ने यहां परेड ग्राउंड में लोगों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी भारतीय महिलाओं के सिंदूर को मिटाना चाहते थे, लेकिन सेना ने सिंदूर की ताकत साबित कर दी है। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा ह्लबंगाल की इस धरती से मैं (नरेन्द्र मोदी) 140 करोड़ भारतीयों की ओर से घोषणा करता हूं कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। चूंकि मैं 'सिंदूर खेला' (एक हिंदू प्रथा जिसमें विवाहित महिलाएं एक-दूसरे को सिंदूर लगाती हैं) की धरती पर आया हूं, इसलिए आतंकवाद के खिलाफ भारत के नए सिद्धांत के बारे में बात करना बहुत स्वाभाविक है।

यूपी में पांच आईपीएस अधिकारियों का तबादला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पांच वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला कर दिया है। अधिकृत सूत्रों ने बताया कि गोरखपुर परिक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक आनंद सुरेश राव कुलकर्णी का तबादला लखनऊ में पुलिस उपमहानिरीक्षक तकनीकी सेवायें के पद पर मुख्यालय किया गया है जबकि वाराणसी कमिश्नरेट में अपर पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) शिवासिम्पी चनप्पा का तबादला गोरखपुर परिक्षेत्र के डीआईजी के पद पर किया गया है। उन्होने बताया कि बस्ती परिक्षेत्र के डीआईजी दिनेश कुमार पी को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिये कार्य मुक्त किया गया है। उनके स्थान पर डीआईजी कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाये के पद पर अब तक कार्यरत संजीव त्यागी को भेजा गया है। इसके अलावा डीआईजी तकनीकी सेवायें मुख्यालय लखनऊ के पद पर कार्यरत रहे शिवहरि मीणा को श्री चनप्पा के स्थान पर वाराणसी कमिश्नरेट में अपर पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) बना कर भेजा गया है।

पाकिस्तान के बातचीत के प्रस्ताव पर भारत का रुख और कड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ के भारत के साथ आतंकवाद सहित हर मुद्दे पर बातचीत की खुली पेशकश पर अपना रुख और साफ करते हुए आज कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर भारत द्वारा सौंपी गयी सूची के आधार पर आतंकवादियों को हमारे हवाले करने तथा जम्मू कश्मीर से उसके अवैध कब्जे वाला हिस्सा खाली करने के बारे में ही बात की जाएगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री द्वारा उनके विदेश दौरे के दौरान भारत के साथ बातचीत की बार बार की जा रही पेशकश के बारे में भारत की प्रतिक्रया पूछे जाने पर कहा, जहाँ तक पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों का सवाल है, हमारा रुख स्पष्ट है। हमारे बीच कोई भी संबंध या संपर्क द्विपक्षीय होना चाहिए। हम दोहराना चाहेंगे कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। उन्हें भारत को उन कुख्यात आतंकवादियों को सौंपना होगा, जिनके रिकॉर्ड और सूची हमने कुछ साल पहले उन्हें सौंपी थी। जम्मू-कश्मीर पर बातचीत इस पर होगी कि जम्मू कश्मीर के उसके अवैध कब्जे वाले इलाका पाकिस्तान खाली करके हमें कब सौंपेगा। श्री जायसवाल ने कहा, ह्लजहाँ तक सिंधु जल संधि का सवाल है, यह तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन विश्वसनीय ढंग से और पूरी तरह से बंद नहीं कर देता। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं, आतंक और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते, आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते, और पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।पाकिस्तान में ऑपरेशन सिन्दूर के बाद लश्करे तैयबा के आतंकवादियों द्वारा जगह जगह जलसे करने और उनमें पाकिस्तान सरकार के नेताओं एवं सेना के अफसरों की मौजूदगी के बारे में एक सवाल के जवाब में प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवादियों का महिमामंडन करना, उन्हें माला पहना कर स्वागत सत्कार करना और उन्हें बड़े मंच प्रदान करना हमारे लिये कतई आश्चर्य की बात नहीं है। इससे यह फिर से पुष्टि होती है कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को सरकार एवं सेना का समर्थन प्राप्त है।

● हम दोहराना चाहेंगे कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते : रणधीर

पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल में मध्य प्रदेश में रेलवे परियोजनाएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। मनमाड-इंदौर नई लाइन, मध्य प्रदेश (बड़वानी, खरगोन, धार, इंदौर), महाराष्ट्र (नासिक, धुले), भुसावल खंडवा तीसरी और चौथी लाइन, मध्य प्रदेश (बुरहानपुर, खंडवा), महाराष्ट्र (जलगांव), प्रयागराज (इरादतगंज) - मानिकपुर तीसरी लाइन, मध्य प्रदेश (रीवा) उत्तर प्रदेश (प्रयागराज, चित्रकूट), रतलाम-नागदा तीसरी और चौथी लाइन, मध्य प्रदेश (रतलाम, उज्जैन)। पूरी रेलवे नेटवर्क को पीएम गति शक्ति मास्टर प्लान पर मैप किया गया है। यातायात प्रवाह को सुचारू बनाने वाले महत्वपूर्ण सेक्शन की पहचान की गई है। रतलाम-नागदा सेक्शन (41 किमी) को चार लाइनों में परिवर्तित किया जाएगा, जिसकी लागत ?1,018 करोड़ होगी। रतलाम चार दिशाओं में जुड़ता है: उत्तर में नागदा, दक्षिण में वडोदरा, पूर्व में इंदौर और पश्चिम में चित्तौड़गढ़ यह एक प्रमुख जंक्शन है। चार लाइनें एमपी, यूपी और दिल्ली के लिए पश्चिमी तट के बंदरगाहों से कनेक्टिविटी में मदद करेंगी। परियोजना की अनुमानित पूर्णता अवधि 3 से 4 वर्ष है।

सीतापुर में पानी की टंकी गिरने के मामले में जेई, एई सहित कई कर्मचारी निलंबित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सीतापुर में पानी की टंकी गिरने के मामले में जेई, एई सहित कई कर्मचारियों को निलंबित और बर्खास्त कर दिया गया है। इसमें विभागीय कर्मचारियों के साथ-साथ निर्माण एजेंसी के भी कर्मचारी और अधिकारी शामिल हैं। राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने इस मामले में टंकी बना रही निर्माण एजेंसी और काम की गुणवत्ता परखने वाली थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने का नोटिस दिया है। इतना ही नहीं निर्माण एजेंसी के ऊपर पांच प्रतिशत लिक्विडेटेड डैमेज पेनाल्टी लगाई गई है। गुरुवार को सीतापुर में विकास खंड पहला की बेहमा चुनका पेयजल योजना का जिंक एलम टैंक गिरने के मामले में निर्माण एजेंसी और थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन एजेंसी को ब्लैकलिस्टिंग का नोटिस दिए जाने के साथ-साथ विभागीय अधिकारियों पर भी बड़ी कार्रवाई की गई है। इस मामले में टैंक निर्माण का काम देख रहे जल निगम (ग्रामीण) के जूनियर इंजिनियर और सहायक अभियंता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। सीतापुर में जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता, संबंधित सहायक अभियंता और जेई के खिलाफ विभागीय जांच होगी। इसके अलावा राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के जेई और सहायक अभियंता को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है। जिले के टीपीआई के जिला इंचार्ज को तत्काल प्रभाव से हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

मामले की प्रारंभिक जांच के लिए उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया गया है। जिसमें जल निगम (ग्रामीण) के एक मुख्य अभियंता, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के एक मुख्य अभियंता और एक अधीक्षण अभियंता रहेंगे। कमेटी को तीन दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट देनी है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर एक न एक दिन भारत का हिस्सा होगा : राजनाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बार फिर देश को भरोसा दिलाया है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर एक न एक दिन भारत का हिस्सा होगा। पीओके का भारत में एकीकरण इस देश की सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक समृद्धि पर निर्भर करता है। पीओके में रहने वाले अधिकतर लोग भारत से गहरा जुड़ाव महसूस करते हैं। कुछ ही लोग हैं, जिन्हें गुमराह किया गया है। पीओके में रहने वाले हमारे भाइयों की स्थिति वीर योद्धा महाराणा प्रताप के छोटे भाई शक्ति सिंह जैसी है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा दिलों को जोड़ने की बात करता है और हमारा मानना ??है कि प्रेम, एकता और सच्चाई के मार्ग पर चलते हुए वो दिन दूर नहीं जब हमारा अपना हिस्सा पीओके वापस आएगा।

रक्षा मंत्री गुरुवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन-2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का कारोबार चलाना प्रभावी लागत नहीं है, बल्कि उसकी एक भारी कीमत अदा करनी पड़ सकती है, इसका अंदाजा आज पाकिस्तान को हो चुका है। ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान आतंकवादियों के खिलाफ भारत की रणनीति और प्रतिक्रिया दोनों को नया स्वरूप और पुनर्परिभाषित किया गया है। हमें पाकिस्तान के साथ अपनी सहभागिता और बातचीत के दायरे को फिर से जांचना है। उसके साथ अब जब भी बात होगी तो सिर्फ पीओके पर होगी।

● पीओके में रहने वाले हमारे भाइयों की स्थिति वीर योद्धा महाराणा प्रताप के छोटे भाई शक्ति सिंह जैसी

ऑपरेशन सिंदूर में पूरे देश की जनता ने 'मेक इन इंडिया' अभियान की सफलता को देखा-समझा और महसूस किया है। आज यह साबित हो चुका है कि मेक इन इंडिया भारत की सुरक्षा और समृद्धि दोनों के लिए जरूरी है। आपने देखा कि किस तरह हमने पहले आतंकी ठिकानों और उसके बाद दुश्मन के सैन्य अड्डों, एयरबेस को तबाह किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान करने को हम और भी बहुत कुछ कर सकते थे, परंतु शक्ति और संयम के साथ हमने दुनिया के सामने शानदार उदाहरण पेश किया। आत्मनिर्भरता के बैनर के तले हम आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर डिफेंस और अंतरिक्ष आधारित सुरक्षा के क्षेत्र में भारत की पकड़ अब वैश्विक मंच पर मजबूती से स्थापित हो रही है।

सीआईआई के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन के मंच पर राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हम केवल लड़ाकू विमान या मिसाइल सिस्टम नहीं बना रहे हैं, बल्कि हम न्यू एज वारफ़ेयर टेक्नोलॉजी के लिए भी तैयार हो रहे हैं। हमारे घरेलू सिस्टम ने आज ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान पूरी दुनिया को चौंकाते हुए यह साबित कर दिया है कि हम दुश्मनों के किसी भी हथियार को भेदने की ताकत रखते हैं।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर सभी युद्धों में विजयी रहीं: बीएल संतोष

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- बीएल संतोष ने किया लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रदर्शनी का उद्घाटन

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरूवार को लखनऊ के जीपीओ पार्क में लगी लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में पुण्यश्लोक अहिल्याबाई के जीवन के विविध पहलुओं को उजागर किया गया है।

इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष ने कहा कि लोकमाता ?अहिल्याबाई होलकर सभी युद्धों में विजयी रहीं। उन्होंने कहा कि आज शासन में महिलाओं को शासन में प्रतिनिधित्व देने की बात सोच रहे हैं, लेकिन जब प्रतिनिधित्व व सहभागिता की बात करते हैं तो 300 साल पहले हमारे देश में केवल प्रतिनिधित्व नहीं, केवल भागीदारी देने की बात इतना ही मात्र नहीं, बल्कि नेतृत्व देने का काम अहिल्याबाई ने किया। लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन के बारे में लोगों तक विषय पहुंचाने के लिए भाजपा ने देशभर में अभियान लिया है। बीएल संतोष ने कहा कि चाहे किसान की बात हो, चाहे महिला की बात हो, न्याय की बात हो, व्यापार की बात हो, प्रशासन की बात हो, चाहे ममता हो, रमता हो, चाहे समता हो, सभी विषयों के बारे में प्रदर्शनी लगी है। हमारे देश में ऐसे नेतृत्व करने वाली महारानी थी। भारत नियम के कारण नहीं, बल्कि लंबी हमारी विरासत है। देश के लिए, जिन्होंने अपना जीवन दिया। उनमें एक महान विभूति ?पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना हैं कि अब हमें उनको प्रतिनिधित्व व सहभागिता देने में नहीं, बल्कि उनके नेतृत्व में कार्य करने की आदत डालनी चाहिए। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर समरसता की साक्षात मूर्ति थीं। उन्होंने शासन करते हुए देश के अनेक धर्मस्थलों का जीर्णोद्धार कराया। उत्तर प्रदेश में भी उन्होंने अनेक स्थलों का जीर्णोद्धार कराया। महेश्वर में उनके समय में शुरू कराया गया साड़ी उद्योग आज भी प्रसिद्ध है। बिना अतिरिक्त कर लगाये खजाने में वृद्धि हो सकती है। भ्रष्टाचार मुक्त शासन हो सकता है। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने कर दिखाया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि अपने को विकसित कहने वाले देशों में 19 वीं शताब्दी में महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला। लेकिन महारानी अहिल्याबाई ने उत्कृष्ट शासन व्यवस्था का संचालन किया। अपने राज्य की सीमाओं के बाहर उन्होंने मंदिरों का निर्माण कराया।

क्षेत्रीय नगर एवं पर्यावरण अध्ययन केंद्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में क्षेत्रीय नगर एवं पर्यावरण अध्ययन केंद्र के सभागार में गुरुवार को अमृत योजना 2.0 के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। नगर एवं पर्यावरण अध्ययन केंद्र के निदेशक डॉक्टर निशीथ राय ने दीप जलाकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया और दो दिनों में सभी के समक्ष आने वाले महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला।

क्षेत्रीय नगर एवं पर्यावरण अध्ययन केंद्र में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के दौरान उत्तराखंड के देहरादून से पधारे महापौर सौरभ थपलियाल ने अपनी बातों को रखा। इस दौरान महापौर रुद्रपुर विकास शर्मा ने भी शहरी विकास के विषय बिन्दु पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने तमाम बिन्दुओं को हस्तलिखित किया।

छात्रवृत्ति वितरण में तकनीकी बदलाव करेगी योगी सरकार छात्रों को मिलेगा लाभ

- छात्रवृत्ति के माध्यम से सामाजिक न्याय व्यवस्था को भी नई दिशा देने में जुटी योगी सरकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार छात्रवृत्ति योजनाओं को और पारदर्शी, सरल और सुलभ बनाने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। अब छात्रवृत्ति वार्षिक नहीं, बल्कि सेमेस्टर आधारित होगी, जिससे छात्रों को समय पर सहायता मिल सकेगी। तकनीकी बाधाओं के कारण यदि किसी पात्र छात्र की छात्रवृत्ति रुकती है, तो उसे इसका समाधान करने का अवसर भी मिलेगा। सीएम योगी का स्पष्ट निर्देश है कि तकनीकी कारणों से कोई भी छात्र वंचित नहीं रहेगा। इस व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए समाज कल्याण विभाग को छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं का नोडल विभाग बनाया गया है। इसके अंतर्गत अल्पसंख्यक कल्याण और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग से समन्वय स्थापित कर साझा पोर्टल तैयार किया जाएगा, जो वर्षभर खुला रहेगा। इससे अब छात्रों को सीमित समयावधि की चिंता नहीं होगी और वे किसी भी समय आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। छात्रवृत्ति प्रणाली को तकनीकी रूप से उन्नत करने के लिए एक आधुनिक पोर्टल विकसित किया जाएगा, जिसमें मोबाइल ऐप, रियल टाइम नोटिफिकेशन, और दस्तावेजों की ऑनलाइन जांच जैसी सुविधाएं रहेंगी। छात्रों की वास्तविक उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए फ़ेस रिकॉग्निशन आधारित प्रणाली भी लागू की जाएगी, जिससे फर्जीवाड़े पर पूर्ण रोक लगेगी। सरकार ने इस सुधार की दिशा में तेजी से कार्य करना शुरू कर दिया है। समाज कल्याण विभाग ने इस कार्य के लिए पहले ही छह सदस्यीय विशेष टीम का गठन किया था, जिसने हाल ही में तीनों विभाग (समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण और अल्पसंख्यक कल्याण) की साझा बैठक में अपने सुझाव दिए, जिस पर अमल करने के लिए साझा सहमति बन गई है। अब विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर बदलावों को धरातल पर उतारी जाएगी। साथ ही, टीम दवारा तीनों विभागों के निदेशकों की एक संयुक्त टीम बनाने का भी प्रस्ताव दिया गया, जिसके माध्यम से रुकावटों की पहचान कर समाधान तैयार किया जाएगा। राज्य सरकार के प्रवक्ता के अनुसार इस कदम से लाखों विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की उम्मीद है और इससे राज्य की शिक्षा और सामाजिक न्याय व्यवस्था को भी नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह स्पष्ट संदेश है कि पात्र छात्रों को किसी भी स्थिति में वंचित नहीं होने दिया जाएगा और सरकार उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान, किसानों की समस्याओं का होगा समाधान: शाही

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत कृषि विभाग, उद्यान विभाग, पशुपालन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी गांव में जाकर योजनाओं की जानकारी देंगे और किसानो की समस्याओ का समाधान करेंगे। कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप सिंह शाही ने कहा कि चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर अभियान शुरू हुआ है। चौधरी साहब निरंतर किसानों की उन्नति के लिए तत्पर रहे।अभियान के दौरान माइक्रो सिंचाई की तकनीक दी जाएगी। सभी विभाग मिलकर 15 दिन तक कार्य करेंगे। हर दिन किसानों से संवाद होगा। लाइव प्रसारण होगा। किसानों को आधुनिक खेती और प्राकृतिक खेती के तरीके समझाए जाएंगे। नवाचार करने वालों किसानों की कहानी अन्य किसानों को भी बताई जाएगी।

लखनऊ के दशहरी आमों की होगी वैश्विक स्तर पर ब्रांडिंग, एडवांस में बुक होगा एयर स्पेस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब की अध्यक्षता में बुधवार को आयुक्त कक्ष कार्यालय में आम निर्यात कोर समिति की बैठक हुई। बैठक में आम उत्पादकों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई। दशहरी आम के प्रचार प्रसार के लिए शहर के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों, होटलों, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, रोडवेज और व्यावसायिक स्थानों पर निःशुल्क कैनोपी के माध्यम से सेल काउंटर लगाकर कृषि उत्पादक संगठनों को सशक्त करने पर जोर दिया गया। यह भी निर्णय लिया गया कि दशहरी आम को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने के लिए ब्रांडिंग प्रमोशन और निर्यात के लिए एयरपोर्ट पर सुविधाएं उपलब्ध कराने और एडवांस में एयर स्पेस बुक करने में आम को प्राथमिकता दी जाय। आम के प्रमुख निर्यातकों को लीडिंग एफपीओ और उत्पादकों के बीच टाई अप कराने के निर्देश दिए गए। हॉर्टिकल्चर फ़ेडरेशन को निर्देशित किया गया कि प्रदेश के बाहर कम से कम 4 बड़े शहरों में किसानों से टाई अप कर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में दशहरी आम के विक्रय की व्यवस्था बनाई जाए, जिससे दशहरी आम को देश के सभी भागों में पहचान दिलाई जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन, उपनिदेशक मंडी परिषद रामजी मिश्रा, उपनिदेशक उद्यान डा. डीके वर्मा और संयुक्त निदेशक कृषि डॉ. डीवी सिंह के साथ व्यावसायिक संस्थान लुलु माल, ब्लिंकिट, होटलियर एसोसिएशन, पर्यटन, रेलवे के प्रतिनिधि अधिकारी, निर्यातक, कृषक उत्पादक संगठनों के प्रगतिशील कृषकों ने भाग लिया।

यूपी में वैश्विक स्तर की उपलब्ध कराई जा रही है उच्च शिक्षा: योगेन्द्र

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज 5 केडी लखनऊ में मोनाश विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच समझौता ज्ञापन एमओयू का हस्तान्तरण हुआ। इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा और चिकित्सा मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और इनका गहरा संबंध आध्यात्मिक मूल्यों से भी जुड़ा होता है।सीएम योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में राज्य में हर क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हो रहा है। जहां कानून व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है, वहीं शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार और परिवर्तन किए गए हैं। प्राचीन भारत में तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के महत्वपूर्ण केंद्र हुआ करते थे। मुख्यमंत्री का उद्देश्य है कि शिक्षा का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई बच्चा उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। इस दिशा में योगी सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। जो विद्यार्थी विदेश जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते थे, उनके लिए प्रदेश में ही विश्वविद्यालयों के सहयोग से शिक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं।

रैपिस्कैन एवं विडेरे कम्पनियों ने हैंडहेल्ड एक्स-रे उपकरणों का किया प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। आबकारी विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नितिन अग्रवाल की मौजूदगी में रैपिस्कैन एवं विडेरे नामक दो प्रमुख तकनीकी कम्पनियों ने अपने-अपने हैंडहेल्ड एक्स-रे उपकरणों का प्रस्तुतिकरण एवं प्रदर्शन किया। प्रवर्तन कार्यों में अत्याधुनिक तकनीक के समावेशन की दिशा में यह एक बड़ा महत्वपूर्ण कदम बताया जा रहा है। लखनऊ में आबकारी विभाग की बैठक में दोनों प्रमुख तकनीकी कम्पनियों रैपिस्कैन एवं विडेरे ने एक संक्षिप्त प्रेजेंटेशन (पीपीटी) दिया। जिसमें उनकी तकनीक, कार्यप्रणाली तथा उपकरणों की तकनीकी विशेषताओं की जानकारी ली। इसके उपरांत, दोनों कम्पनियों द्वारा दिए गए स्थलीय प्रदर्शन (फील्ड डेमोस्ट्रेशन) का परीक्षण भी किया गया। इस अवसर पर मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि दोनों कम्पनियों के हैंडहेल्ड एक्स-रे उपकरणों का प्रस्तुतिकरण एवं प्रदर्शन देखा गया है। हमारा उद्देश्य ऐसी तकनीक को अपनाना है, जो न केवल प्रभावी हो बल्कि लागत के लिहाज से भी व्यावहारिक हो। भविष्य में आबकारी विभाग और भी अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करेगा। प्रदेश में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई को और अधिक सशक्त करने के लिए इन उपकरणों को देखा जा रहा है।

चौ.चरण सिंह का हमेशा किसानों की बेहतरी पर रहा फोकस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश कार्यालय पर भारत रत्न देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह की 38वीं पुण्यतिथि मनाई गयी। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे व रालोद पदाधिकारियों ने हवन पूजन कर कार्यालय परिसर स्थित चौधरी साहब की प्रतिमा पर मार्ल्यापण किया। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च करते हुये चौधरी चरण सिंह अमर रहे के नारे लगाते हुये विधानसभा पहुंचे और विधानसभा मुख्य द्वार स्थित चौधरी साहब की प्रतिमा पर मार्ल्यापण कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये।चौधरी साहब की पुण्यतिथि पर प्रदेश कार्यालय में आयोजित गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने कहा, भारत रत्न चौधरी चरण सिंह जिन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवन काल में देश के दलितों, पिछड़ों, गरीबों और किसानों की बेहतरी के लिए संघर्ष किया, राजनीति में हिस्सेदार बनाया, उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व राजनैतिक सामाजिक जीवन जी रहे लोगों के लिए अनुकरणीय है। चौधरी चरण सिंह ने अपना सम्पूर्ण जीवन भारतीयता और ग्रामीण परिवेश की मर्यादा में जिया। कार्यक्रम संचालन व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने किया।रालोद प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष वसीम हैदर, आदित्य विक्रम सिंह, प्रदेश महासचिव संतोष यादव, प्रदेश कोषाध्यक्ष बीएल प्रेमी, प्रोफ़ेशनल मंच के प्रदेश अध्यक्ष अम्बुज पटेल, साधना चौधरी, अमनसोनकर आदि ने चौधरी साहब को नमन किया।

कांग्रेस कार्यालय में संगठन सृजन कार्यशाला-2 आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आज संगठन सृजन कार्यशाला-2 आयोजित हुई। 17 मई को हुए संगठन सृजन कार्यशाला में जो समन्वयक और जिला/शहर अध्यक्ष गण किन्हीं कारणों वश सम्मिलित नहीं हो पाए थे उन्हीं के लिए आज संगठन सृजन कार्यशाला-2 का आयोजन किया गया। कार्यशाला को मुख्य रूप से प्रदेश कंाग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मंत्री अजय राय, मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष हिंदवी ने सम्बोधित किया। कार्यशाला में पूर्व विधायक सोहिल अख्तर अंसारी एवं राजकुमार रावत भी शामिल रहे। कार्यशाला का संचालन उत्तर प्रदेश कांग्रेस वॉर रूम प्रभारी संजय दीक्षित ने किया। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कंाग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जननायक राहुल गांधी ने 2025 को संगठन सृजन का वर्ष घोषित किया है। हमें पूरे जज्बे, लगन और मेहनत से संगठन का सृजन करना है और कंाग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि हमने समन्वयकों में बहुत सारे वरिष्ठ कंाग्रेसजनों को भी शामिल किया है ताकि संगठन सृजन में उनके अनुभवों का लाभ लिया जा सके। श्री राय ने मौजूद कंाग्रेसजनों से कहा कि इस पुनीत अभियान में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कीजिए ताकि हम एक बेहतर और मजबूत संगठन का निर्माण कर सके। उन्होंने कहा कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं है, पार्टी ने आप सभी पर विश्वास किया है तो अपने-अपने क्षेत्रों जाकर प्रवास करिए और अपना कार्य पूरे समर्पण और ईमानदारी के साथ संपादित कीजिए। अजय राय ने कहा कि आप सभी मिलकर बेहतर जमीनी और कर्मठ लोगों को लेकर संगठन का निर्माण कीजिए आने वाले पंचायत चुनाव में उसके सार्थक परिणाम आपके समक्ष होंगे। उन्होंने कहा कि समयबद्धता जरूरी है, दी हुई समय सीमा में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कीजिए। मुझे खुशी है कि 25 तारीख की पहली समय सीमा का पालन आप लोगों ने पूरी निष्ठा के साथ किया। अगला लक्ष्य 15 जून है जिसमें हमें ब्लाक अध्यक्ष एवं उनकी कमेटियाँ गठित करनी है। अजय राय ने कहा कि राज्य कंाग्रेस मुख्यालय और जिलों के मध्य समन्वय स्थापित करने के लिए एवं कार्य प्रगति जानने के लिए उ0प्र0 कंाग्रेस वॉर रूम की तरफ से प्रत्येक जिले के नोडल अधिकारी बनाए गए हैं जो अपने-अपने सम्बन्धित जनपदों के जिला/शहर अध्यक्ष एवं जिला समन्वयकों से संपर्क बनाए रखेंगे। कार्यशाला में मौजूद सभी पदाधिकारियों ने प्रदेश कंाग्रेस अध्यक्ष श्री राय के समक्ष अपने अनुभवों को साझा किया और संगठन सृजन अभियान को और बेहतर बनाने के लिए कई सार्थक सुझाव भी दिए।

नेहा सिंह राठौर को लखनऊ हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

पहलगाम पर विवादित कमेंट मामले में 6 जून को होगी अगली सुनवाई

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में लोक गायिका नेहा सिंह राठौर को आज राहत नहीं मिली। नेहा ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को चुनौती दी थी। उन पर सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक तनाव फैलाने का आरोप है। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति बी. आर. सिंह की खंडपीठ ने मामले में अगली सुनवाई 6 जून को तय की है। नेहा ने याचिका में कहा है कि उन्हें दुर्भावनापूर्वक फंसाया गया है। उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई अपराध नहीं बनता है। मामला 22 अप्रैल को हुई पहलगाम आतंकी हमले से जुड़ा है। नेहा ने इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर कई पोस्ट किए थे। सरकार पर सवाल उठाए थे। इन पोस्टों से आहत होकर अभय प्रताप सिंह ने हजरतगंज कोतवाली में नेहा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी।नेहा के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर में आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर दो समुदायों के बीच नफरत फैलाने और देश की अखंडता को तोड़ने वाली पोस्ट की है। अभय प्रताप सिंह ने आरोप लगाया है कि नेहा सिंह राठौर की हरकतें सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने और अशांति पैदा करने के उद्देश्य से की गई थीं। उन्होंने दावा किया कि राठौर की पोस्ट, जिन्हें पाकिस्तान में व्यापक रूप से शेयर किया गया, का इस्तेमाल पड़ोसी देश के मीडिया द्वारा भारत की आलोचना करने के लिए किया जा रहा था, जिससे देश की छवि को नुकसान पहुँच रहा था। अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर पर नेहा ने प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो पोस्ट किया और लिखा, पहलगाम हमले के जवाब में सरकार ने अब तक क्या किया है? क्या आपने मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज की है? अगर हिम्मत है, तो जाकर आतंकवादियों के सिर वापस लाओ!

कार्यालय अधीक्षण अभियनत, 17वां (वि0/यां0), वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

पत्रांक-1103/4नी0[illegible]-17[illegible]/2025 दिनांक 27-05-2025

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से [illegible] http://e-tender.nic.in [illegible] 31-05-2025 [illegible] 14-06-2025 [illegible] 04:00 [illegible] 14-06-2025 [illegible] 04:30 [illegible]

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा मूल्य [illegible]	पात्रता
1	लखनऊ	[illegible] 04 [illegible] 1,2,3 एवं 4 (800) [illegible]	191.69 + GST Extra	11.58	3 माह	2354.00	[illegible]

[illegible] 0-1/2018/3070/78-2-2018/42[illegible]0/2017(22) [illegible] 03.01.2018 [illegible]

[illegible] http://e-tender.nic.in पर उपलब्ध है।

([illegible]) अधिशासी अभियन्ता [illegible] लो0नि0वि0, लखनऊ

([illegible]) अधीक्षण अभियन्ता 17वां (वि0/यां0) वृत्त लो0नि0वि0, लखनऊ

www.upgov.nic.in
Upid-234351 Date-28.05.2025

नि:शुल्क पतंजलि योग शिविर का तीसरा दिन का किया शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। गुरूवार को एच०के० होटल नघेटा रोड हरदोई के लान में नि:शुल्क पतंजलि योग शिविर का तीसरा दिन का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती द्वारा दीप प्रज्वलन एवं गणेश पूजन कर किया गया। मुख्य अतिथि का पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी एवं प्रमुख योग शिक्षक हरिबंश सिंह और एच के होटल/लान के माल अविनाश चन्द्र गुप्ता ने पुष्प गुच्छ देकर तथा शशिकला सिंह व महिला जिला प्रभारी विनीता पाण्डेय ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। मुख्य योग शिक्षिका कंचन पाण्डेय ने स्वागत गीत गाकर सभी को भाव विभोर कर दिया।

हरिबंश ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी हेतु योगाभ्यास क्रम वाले आसन प्राणायाम कराये जिससे 21 जून तक अभ्यास कर के शीख जायें। मुख्य अतिथि जी ने वरावर साथ देकर बखूबी कर इतिहास रच दिया। आसनों में शिथिलीकरण के आसन फिर तड़ासन, बृक्षासन, पादहस्तासन, अर्ध चक्रासन, त्रिकोण आसन, भद्रासन, अर्ध उष्ट्रासन, शशकासन, उत्तानमंडूकासन, वक्रासन, मकरासन, भुजंगासन, सलभासन, सेतुबंधासन, उत्तानपादासन, अर्धहलासन, पवनमुक्ता, सन, व शवासन कराये और कपालभाति, अनुलोमविलोम, शीतली भ्रामरी प्राणायाम व ध्यान कराया। अन्त में शान्ति पाठ कराया। हरिबं ने कहा कि हमारी उद्देश्य है कि हर व्यक्ति बच्चे लेकर बृध्दि तक सभी करेंगे तो हमारा राष्ट्र दुनियाभर में सबसें युवा राष्ट्र रहे यानी 100 वर्ष के होने के बाद भी युवा जैसे रहकर ही दुनियां जायें। मुख्य अतिथि जी ने कहा कि योग हर व्यक्ति को करना ही चाहिए जिससे हमारा राष्ट्र स्वस्थ और समृद्धशाली हो योग करें निरोग रहें की भावना से अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग करेंगे तो सारे कार्य अचछे से कर सकेंगे और अच्छी सोच के साथ कार्य करने में मन भी अच्छी तरह लगेगा। उन्होंने अहिल्या वाई का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे यहां की आज महिला शक्ति भी उनकी तरह ही महान बुद्धिमान, शक्तिशाली हो, और राज्य के विकास और सुरक्षा की दृष्टिकोण उनकी तरह हो सकें इसलिए सरकार को उनके चरित्र चित्रण बच्चों की शिक्षा में जोड़ा जाये। आज योग की वदौलत ही हमारे प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी इतनी उम्र होने के बाद कितना काम करते हैं और अपने राष्ट्र का नाम पूरी दुनिया ऐसा करदिया जिसको सभी लोहा मानते हैं। अविनाश चन्द्र गुप्ता जी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। उक्त अवसर पर युवा भारत का जिला प्रभारी सोनू गुप्ता, विहार की प्रधानाचार्या डॉक्टर रोली दुवेदी, बाबू लाल शिक्षा निकेतन के प्रधानाचार्य विवेक दीक्षित अपने स्कूल के बच्चों व शिक्षकों के साथ तथा शशी मौर्या, ज्योति सिंह, रेनू सेठ, रीता सिंह, साची सिंह, नीतिका गुप्ता, काव्या प्रजापति, सन्जू श्रीवास्तव, अनीता मिश्रा, वीना त्रिपाठी, अनुराग पाण्डेय, इ0 सुभाषचंद्र मौर्य, विजय कुमार अस्थाना, सोमवीर सिंह, विनोद गुप्ता, राघवेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे और लाभ उठाया।

प्रशस्ति पत्र एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सिलेंडर आदि वितरित किए गए

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। नगर पालिका परिषद मल्लावां हरदोई के अंतर्गत पुण्यश्लोक लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान अंतर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत पुण्यश्लोक लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान के अंतर्गत महिला सफाई मित्रों को नगर पालिका मल्लावां हरदोई द्वारा मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन के कर कमलों द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सिलेंडर आदि वितरित किए गए जिसमें सदस्य अध्यक्ष एवं अजीत नगर अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी एवं अभय शंकर शुक्ला ब्रांड एंबेसडर नगर पालिका परिषद मल्लावां एवं पालिका स्टाफ उपस्थित रहा।

रानी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जन्म स्मृति संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन हुआ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। रानी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जन्म स्मृति संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। वक्ताओं ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर का जीवन नारी सशक्तिकरणए सामाजिक न्याय और राष्ट्र निर्माण की अमिट प्रेरणा है। वे एक सामान्य परिवार से थींए लेकिन अपने आदर्श नेतृत्व, धार्मिक पुनर्जागरण और समाज सुधार के माध्यम से भारतीय इतिहास में उन्होंने एक विशिष्ट स्थान बनाया। श्री सिंह ने केंद्र व राज्य सरकार के कार्यो का भी बखान किया। डीसीबी अध्यक्ष अशोक सिंह अपने संबोधन में कहा कि अहिल्याबाई होल्कर नारी शक्ति की प्रतीक थीं। उनका जीवन धार्मिक सहिष्णुता, जनकल्याण और समाजसेवा की मिसाल है। अहिल्याबाई होल्कर का न्यायप्रिय स्वभाव, सेवाभाव और नेतृत्व समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है। कहा कि आज समाज में यदि नारी सम्मान का भाव जागृत हो रहा है तो इसका श्रेय उन वीरांगनाओं को जाता है जिन्होंने अपने जीवन से इतिहास रचा।

मन्दिरो का जीर्णोद्धार कराया जनधन खाता, शौचालय, उज्ज्वला, फ्री राशन, बिजली आदि प्रधानमंत्री ने सबसे पहले जनता को दिया वही पहलगाम हमला पर आपरेशन सिंदूर के तहत दुश्मनों के छक्के छुड़ाए। क्षेत्रीय सदस्य महिला मोर्चा की लक्ष्मी राजपूतए चेयरमेन अनुराग मिश्र, गुड़िया, शकुंतला कश्यप ने भी विचार व्यक्त किए। जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने सफाई कर्मियों को प्रमाणपत्र व सफाई किट वितरित की कार्यालय में स्वास्थ विभाग द्वारा लगाए गए स्टाल का भी निरीक्षण कर जानकारी ली। इस मौके पर नगर सभासद अमित गुप्ता, संजय गुप्ता, संजीव गुप्ता, प्रिंस बाथम, वैशाली गुप्ता, किरन, आरती, आदि सभासद मौजूद रहे।

अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जन्म स्मृति संगोष्ठी का हुआ आयोजन

पिहानी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। गुरुवार को विकास खंड सभागार में रानी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जन्म स्मृति संगोष्ठी का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर का जीवन नारी सशक्तिकरणए सामाजिक न्याय और राष्ट्र निर्माण की अमिट प्रेरणा है। वे एक सामान्य परिवार से थींए लेकिन अपने आदर्श नेतृत्वए धार्मिक पुनर्जागरण और समाज सुधार के माध्यम से भारतीय इतिहास में उन्होंने एक विशिष्ट स्थान बनाया। ब्लॉक प्रमुख कुशी बाजपेई अपने संबोधन में कहा कि अहिल्याबाई होल्कर नारी शक्ति की प्रतीक थीं। उनका जीवन धार्मिक सहिष्णुताए जनकल्याण और समाजसेवा की मिसाल है। अहिल्याबाई होल्कर का न्यायप्रिय स्वभावए सेवाभाव और नेतृत्व समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है। कहा कि आज समाज में यदि नारी सम्मान का भाव जागृत हो रहा है तो इसका श्रेय उन वीरांगनाओं को जाता है जिन्होंने अपने जीवन से इतिहास रचा। कुलदीप दीक्षितएए नवनीत वाजपेई रुचिए अमित त्रिवेदीए विकासखंड अधिकारी अरुण कुमारए प्रधान संघ अध्यक्ष मेवाराम आदि लोग मौजूद रहे।

डीएम ने बनवाए बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड, विधवा-दिव्यांग पेंशन के आवेदन भी निपटाए

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिलाधिकारी अनुनय झा ने आज जन सुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने मौके पर ही बुजुर्गों के लिए 7 आयुष्मान कार्ड बनवाए। नए जिलाधिकारी के कार्यभार संभालने के बाद से अब तक कुल 19 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को विधवा और दिव्यांग पेंशन आवेदनों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांग प्रमाणपत्र न होने वाले पात्र व्यक्तियों को प्रमाण पत्र बनवाने में मदद की जाए। साथ ही मृत्यु प्रमाणपत्र और आय प्रमाणपत्र के लिए तत्काल आवेदन कराए जाएं। भूमि विवादों पर कार्रवाई के लिए प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर भेजने के निर्देश दिए गए। जमीन की पैमाइश और अंश निर्धारण के मामलों में देरी न करने को कहा गया। कृषक दुर्घटना कल्याण योजना और पारिवारिक लाभ योजना के मामलों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए गए जन सुनवाई में अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। भूमि विवादों पर कार्रवाई के लिए प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर भेजने के निर्देश दिए गए। जमीन की पैमाइश और अंश निर्धारण के मामलों में देरी न करने को कहा गया। कृषक दुर्घटना कल्याण योजना और पारिवारिक लाभ योजना के मामलों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए गए। जन सुनवाई में अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बीमारी के चलते विवाहिता की मौत, मायके वालों ने लगाया प्रताड़ित करने का आरोप

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कस्बा पिहानी के मोहल्ला छिपीटोला में बीमारी के चलते एक विवाहिता की मौत हो गई। मृतका का विवाह एक वर्ष पूर्व हुआ था। विवाहिता के मायके वालों ने ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। मायके वालों ने इलाज में लापरवाही व दहेज के लिए हत्या किए जाने की शंका जताते हुए पुलिस से पोस्टमार्टम की मांग की है। मृतका दो दिनों से बीमार चल रही थी। जिला सीतापुर के सेहुआपुर निवासी की समीउल्लाह की 28 वर्षीय बेटी रुकसरी खातून का विवाह कस्बा पिहानी के मोहल्ला छिपी टोला निवासी अब्दुल अहद के साथ लगभग एक वर्ष पूर्व मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार किया गया था। मृतका के बच्चे नहीं थे। बृहस्पतिवार को रुकसरी खातून अचानक तबीयत ज्यादा बिगड़ने के कारण मरणासन्न हो गई। परिजनों ने निजी हॉस्पिटल हरदोई दिखाया, जहां डॉक्टरों ने विवाहिता को मृत घोषित कर दिया। मायके वालों ने 112 पुलिस को सूचना दी। तत्काल कोतवाल विद्यासागर मौके पर पहुंचकर घटना की जांच की। मौके पर पहुंचे मजिस्ट्रेट शाहाबाद ने विवाहिता का पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेज दिया है। मोहल्ले के कुछ लोग तथा मृतका के कुछ रिश्तेदार इस बात का प्रयास कर रहे हैं कि मामला सुलह.समझौते के आधार पर निपटा दिया जाए, जिससे कि ससुराल पक्ष और मायके के पक्ष के लोगों में कटुता न बढ़े।

एबीवीपी द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद संगठनात्मक जिला संडीला द्वारा माधौगंज नयागांव रोड़ स्थिति भाग्य मैरिज लान में प्रतिभा सम्मान समारोह शुक्रवार 30 मई को होगा। जिला संयोजक दिव्याश सिंह: चौहान ने जानकारी देते बताया कि संडीला जिले की 400 से 450 छात्र छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा।

दूल्हे के ड्राइवर से मारपीट कर सोने की चेन छीनी

बेनीगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। दीननगर से चिंता खेड़ा कोतवाली बेनीगंज में दूल्हे की गाड़ी चलाकर बारात आये युवक से चिंता खेड़ा गांव के कुछ लोगों ने शराब के नशे में मारपीट गाली गलौज कर सोने की चेन और साथ मे आये युवक की हाय गायब कर दी। घटना की तहरीर दीननगर निवासी अपनी कार लेकर आए शिवा ने कोतवाली बेनीगंज में दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जाच पड़ताल शुरू कर दी है। दीननगर निवासी शिवा ने बेनीगंज पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि वह अपनी कार मे दूल्हे को लेकर बेनीगंज के ग्राम चिंताखेड़ा मे आया हुआ था। द्वारचार पर आतिशबाजी दगने के दौरान कुछ छिट ज़्नातियों पर पड गयी। ज़्नातियों मे राजारामए बबलूए विजय व धर्मेन्द्र ने दूल्हे के ड्राइवर शिवा को समझ गाली गलौच कर मारपीट कर शिवा के गले मे 1ण्50 लाख की वजन लगभग 15 ग्राम सोने चैन छीन ली। मारपीट मे शिवा का साथी सचिन भी घायल हो गया। कोतवाल संजय यादव ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

प्रेम परवान चढ़ा तो कर ली गोद भराई, पुलिस ने कहा आधी शादी हो चुकी घर जाओ

बेनीगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना बघौली के एक गांव निवासी लड़की प्यार को जीतने घर छोड़ कर प्रेमी के साथ पहुंची बेनीगंज कोतवाली। जहां पुलिस ने प्रेमिका से पूछताछ की और कहा आपकी आधी शादी हो चुकी है अब घर जाओ। बता दें कि हरदोई जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आज बुधवार को एक काल्पनिक नाम 20 वर्षीय लड़की कोतवाली पहुंची जिसके हांथ में लिखित शिकायती पत्र पर अंकित है कि मैं करीब 3 वर्षों से लगातार अनुज पुत्र रामदास प्रजापती निवासी कोरोकला मोबाइल काल पर बात करती है उसका और अनुज का प्रेम प्रसंग चल रहा हैए उसकी और अनुज की करीब 6 माह पूर्व गोद भराई भी हो चुकी हैए अब अनुज को परिजन और उनकी मां राम दुलारी पत्नी रामदास सभी लोग शादी करने को तैयार हैंए किन्तु उसकी मां रामगुनी पत्नी वीरेंद्र मेरी शादी में व्यवधान उत्पन्न कर रहीं हैं। मेरी और अनुज की शादी होने नहीं दे रही है तथा मेरे भाई रामशरण पुत्र वीरेश भी मेरी शादी नहीं होने दे रहे हैं मेरे परिजन मुझसे कह रहे हैं कि जहां जाना हो, जो करना है करो हमसे कोई मतलब नहीं है तो मैं स्वेच्छा से अनुज के पास चली आई हूं। उपरोक्त मामले को लेकर लड़की ने पुलिस अधीक्षक हरदोई को आईजीआरएस के माध्यम से शिकायती पत्र भी भेजा है। उसने कहा अगर यहां पुलिस हमारी समस्या को नहीं सुलझाएगी तो मैं पुलिस अधीक्षक के पास जाऊंगी मैं मनुष्य प्रेम करती हूं अब मैं उसके घर आ गई हूं, और उसी के साथ रहूंगी।

अहिल्याबाई होल्कर भारत की आदर्श हैं: अमित

पात्रों को आवास की चाबी देते उपाध्यक्ष अवध क्षेत्र अमित गुप्ता

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नगर पालिका परिसर में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी स्मृति अभियानष् एवं महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवध क्षेत्र अमित गुप्ता ने कहा अहिल्या बाई महिला सशक्तिकरण की एक सशक्त उदाहरण है। 1766 से लेकर 1795 में अपनी मृत्यु तकए देवी अहिल्या बाई होल्कर ने मध्य भारत के एक बड़े हिस्से पर इतनी कुशलता से शासन किया कि उनके तीस साल के शासन को श्उदार और प्रभावी शासन का आदर्शश् माना जाता है। उनकी मातृ.देखभाल मेंए राज्य समृद्ध हुआ और लोग खुश रहे। उन्हें अवतार कहा गया। कहा जाता है कि उनका जीवन न केवल श्भारत की नारी जाति के लिए गौरव की बात हैए बल्कि उच्च और निम्नए शासक और शासित सभी के लिए एक आदर्श हैश् और सनातन धर्म को पुनर्जीवित करने के उनके अथक प्रयास और पिछले छह सौ वर्षों के मुगल शासन के दौरान जो कुछ भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ थाए उसके ष्पुनर्निर्माणष् में उनके अद्वितीय योगदान ने उन्हें भारत के इतिहास में सबसे महान व्यक्तियों में शुमार किया। केंद्रीय उपभोक्ता भंडार के अध्यक्ष विनोद कुमार ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर का जीवन भारतीय इतिहास में एक प्रेरणास्रोत है, जो आज भी शासनए सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक पुनर्निर्माण के क्षेत्र में आदर्श मानी जाती हैं।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता हाकिम सिंह ने भी अहिल्या बाई होल्कर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। नगर अध्यक्ष अनिल पांडेय पिंटू ने उपस्थित सभी अभ्यागतों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में पी एम स्वनिधि के लाभार्थी चांदनी, फरहत खां, संगीता, शांति देवी एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी राजवती, रेखा, राम कली, शिव रानी, सुनीता तथा सफाई कर्मचारी सुमन, फूलन देवी, रेखा, गीता, चंदा, सुशीला, सीता देवी, रेशमा आदि को मुख्य अतिथि अमित गुप्ता एवं अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर के कर कमलों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महिला मोर्चा अध्यक्ष कृति वर्मा, सुभाष सिंह, अतुल मिश्र, अजीत कुमार, रमाकांत मौर्य, रचित गुप्ता, अभय वर्मा, सुभाष रस्तोगी, कुलदीप श्रीवास्तव, विपिन मौर्य सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का केस दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से एक किशोरी के लापता होने के मामले में पुलिस ने उसकी मां की लिखित तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू की है। पीड़ित मां के अनुसार 24 मई की रात करीब 12 बजे उसका दूर का रिश्तेदार शाहजहांपुर कस्बे के मोहल्ला सिंजई निवासी मोहित वर्मा पुत्र आशाराम वर्मा अपने सगे बहनोई शानू वर्मा के साथ बाइक पर उसकी 17 वर्षीय पुत्री को बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया है। घर के बाहर सो रहे उसके पुत्र ने आरोपियों को उसकी पुत्री को ले जाते हुए देखा है।उसने विपक्षी के मोबाइल पर फोन किया तो विपक्षी शानू ने स्वीकार किया उसकी पुत्री उनके साथ है और कार्यवाही न करने की धमकी दी। पीड़िता की लिखित तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।

खुले में किसी तरह की न करें कुर्बानी: एसडीएम

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बकरीद के त्योहार को लेकर एसडीएम की अध्यक्षता में तहसील सभागार में गुरुवार को दोपहर 03:00 बजे से 04:00 बजे तक पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें नगर सहित क्षेत्र के ग्राम प्रधानएसभासद और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजित पीस कमेटी के बैठक में उपस्थित संभ्रांत लोगों को संबोधित करते हुए एसडीएम तान्या सिंह ने कहा बकरीद का त्योहार मिलजुल कर आपसी सौहार्द के साथ मनाएं। त्योहार पर कुर्बानी की जाती है लेकिन इस कुर्बानी को सभी लोग घर के अंदर करें। खुले में कुर्बानी न करें जिससे माहौल खराब हो। कुर्बानी वाले पशुओं के अवशेष खुले में मत फेंके। उन्हें एक गड्ढा खोदकर उसमें दफ्न कर दें। प्रतिबंधित पशुओं की कुरबानी न करें। शिकायत मिलने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। सीओ अनुज मिश्रा ने कहा आप सभी लोग सजग रहने वाले लोग हैं अपने आसपास रहने वाले अराजक तत्वों पर नजर रखें। त्योहार में किसी तरह की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बकरीद के लिए होने वाली नमाज के लिए मस्जिदों का निरीक्षण किया जा चुका है।सभी लोग आपस में मिलजुल कर त्योहार मनाए। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश रायए अधिशासी अधिकारी के के सोनकर सहित सभासद मुईद खां,,जुनैद खां, फूल मियां, मस्जिदों के इमाम सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पीस कमेटी की बैठक में एसडीएम तान्या सिंह सीओ अनुज मिश्रा

■ **तहसील सभागार में पीस कमेटी की बैठक**

जिलाधिकारी ने किया कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर व अंदर चल रहे निर्माण का औचक निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिलाधिकारी अनुनय झा ने गेट नम्बर 1 व 2 के बीच कलेक्ट्रेट परिसर के की बाहरी दीवार के पास चल रहे निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि बाउंड्रीवाल पास कुछ जगह छोड़कर नाली बनवायी जाये जिससे पानी का दुष्प्रभाव दीवार पर न पड़े। नाली का ढाल अच्छी तरह से बनाया जाय ताकि पानी का बहाव निर्बाध रहे। इंटरलॉकिंग को अच्छी तरह से लगवाया जाये। मिट्टी की भराई अच्छी तरह करायी जाये। नाले की मिट्टी का प्रयोग मिट्टी भराई में किया जाये। बाउंड्रीवाल के बाहर पौधरोपण भी कराया जाये। कार्य की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न किया जाये। उन्होंने कलेक्ट्रेट गेट नम्बर 1 के पास निर्माणाधीन शौचालय का निर्माण जल्द पूरा करने के निर्देश नगर पालिका को दिए। इसके साथ ही उन्होंने वादकारियों के शेड का निर्माण तेजी से कराने को कहा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी, अधिशाषी अधिकारी हरदोई रामेन्द्र सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैम्प-2025 का आयोजन हुआ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। डायट के प्राचार्य योगेन्द्र सिंह के नेतृत्व एव मार्गदर्शन में जिला शिक्षा एवं प्रशि क्षण संस्थान हरदोई में सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैम्प-2025 का आयोजन उजमा जबी द्वारा कराया गया जिसमें प्रथम एव द्वितीय दिवस में उर्दू भाषा से संबंधित कुछ.कुछ बारीकिया, प्राशिक्षुओं ने सीखी। इसी तरह से अन्य दिवसों में प्रवक्ता चतुर्भुज नारायण, पीतांबर चौरसिया, आशा यादव ने विभिन्न प्रकार की गतिविधिया करवायी। कार्यक्रम का समापन खेल गतिविधि और प्राचार्य योगेन्द्र सिंह द्वारा प्रशिक्षुओं को प्रमाणपत वितरण के साथ कराया गया। इस अवसर पर समस्त प्रवक्ता जोगिन्दर सिंह गंगवार, शिक्षा चौहान, अनीता कुमारी, मुनीश मो., युवराज सिंह, सौरभ, आनंन्द आदि उपस्थित रहें।

बाबू का रिश्वत लेते हुए वीडियो वायरल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। तहसील मुख्यालय के एक कार्यालय के एक बाबू का रिश्वत लेते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद तहसील प्रशासन में खलबली मच गई। शाहाबाद तहसील में एक युवक पिछले काफी दिनों से अपना एक प्रमाण पत्र बनवाने के लिए चक्कर लगा रहा था लेकिन बाबू द्वारा उसका प्रमाण पत्र बनाने में देरी की जा रही थी। युवक ने जब बाबू को पैसे दिए तब उसने उसका प्रमाण पत्र जारी कर दिया। बाबू को रिश्वत देते हुए पीड़ित युवक ने ही वीडियो बनाया जो गुरुवार को शाम 4:00 बजे सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। अब यह वीडियो तेजी के साथ वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में बाबू प्राइवेट कर्मी बताया गया हैए और यह भी कंफर्म नहीं हो पाया है कि यह वीडियो कितना पुराना है। फ्लिहाल वीडियो वायरल होने के बाद तहसील प्रशासन में चखचख शुरू हो गई है।

सामूहिक आत्मघात

हरियाणा के पंचकूला में उत्तराखंड से आए एक परिवार की सामूहिक आत्महत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को गहरे तक झकझोर कर रख दिया। एक कार में नाकाम बेटे ने मां-बाप,पत्नी, दो किशोर बेटियों व एक बेटे के साथ जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पूरे परिवार के खत्म होने के बाद कुछ समय के लिए जीवित बचे व्यक्ति ने चश्मदीद को बताया कि वह कर्ज में डूब गया था, कोई रास्ता नजर न आता देख सामूहिक आत्महत्या का निर्णय लिया। पुलिस के पहुंचने व चिकित्सीय प्रयासों के बावजूद परिवार में किसी व्यक्ति को बचाया नहीं जा सका। निश्चय ही यह दुखद घटना हर इंसान को उद्वेलित करती है। लेकिन यह भयावह घटना तमाम सवालों को जन्म देती है। आखिर इंसान कैसे सोच लेता है कि आत्महत्या कर लेना संकट का अंतिम समाधान है? जब व्यक्ति में जोखिम से उपजे संकट से जूझने का सामर्थ्य नहीं है तो भारी कर्ज़ा उठाना कितना तार्किक है? महत्वपूर्ण सवाल यह भी कर्ज से हारे व्यक्ति को ये अधिकार किसने दे दिया कि वो अपने साथ दो पीढ़ियों को सदा के लिये खत्म कर दे? कैसे कोई व्यक्ति अपनी नाकामी की सजा मां-बाप, पत्नी व बच्चों को दे सकता है? यह कल्पना करनी भी भयावह है कि अपना अधिकांश जीवन जी चुके मां-बाप, तीन बच्चों को जन्म देने वाली मां तथा सुखी भविष्य की कल्पना के साथ जीवन की पारी की शुरूआत करने वाले बच्चों ने जहर खाना सहज स्वीकारा होगा। यदि उन्हें यह जहर बिना बताए भी दिया गया होगा तो भी जहर की पीड़ा ने उन्हें तड़फाया भी होगा। अकसर ऐसे मामलों में पूरे परिवार को मौत की राह में ले जाने वाले आत्मघाती व्यक्ति के मन में यह भय भी होता है कि उसके जाने के बाद उसके परिवार का क्या होगा? कहीं उसके लिये कर्ज की सजा परिवार को तो नहीं मिलेगी? निस्संदेह, एक परिवार का यूं जहर खाकर आत्महत्या करना हमारी सामाजिक व्यवस्था में आई विद्रूपताओं की ओर इशारा करता है। जिस भी बैंक या व्यक्ति से आत्महत्या करने वाले परिवार के मुखिया ने कर्ज लिया था, निश्चय ही वहां से उसे किसी भी तरह की राहत की उम्मीद नजर नहीं आई होगी। लेकिन सवाल उठता है कि क्या उसे अपने मित्रों व रिश्तेदारों से भी किसी राहत की उम्मीद नहीं थी? कहा जाता है कि पड़ोसी व मित्र ही संकट के समय में मददगार होते हैं। तो क्या माना जाना चाहिए कि आज हमारे रिश्ते महज दिखावे के रह गए हैं? आखिर विवाह समारोह समेत तमाम अवसरों पर जुटने वाली लोगों की भीड़ केवल महज खाने-पीने तक की ही दोस्त होती है? क्या नैतिक दायित्व नहीं बनता कि संकट में फंसे व्यक्ति के नाते रिश्तेदार या मित्र मदद करें? बहरहाल, गत सोमवार को घटी घटना के सभी तथ्य सामने आने में अभी वक्त लगेगा और घटनाक्रम से जुड़ी अन्य जानकारियां भी सामने आएंगी। लेकिन यह एक हकीकत है कि एक कर्ज से हारा हंसता-खेलता परिवार हमेशा-हमेशा के लिये चिरनिद्रा में सो गया है। लेकिन यह दुखांत हमें कई सबक दे गया है। पहला तो यही कि हमें कर्ज उसी सीमा तक लेना चाहिए, जिस सीमा तक हम चुकाने की सामर्थ्य रख सकें। कोई भी जोखिम यदि हम व्यापार में उठाएं तो उसके तमाम नकारात्मक पहलुओं पर जरूरी विचार करें। उसके बुरे से बुरे परिणाम के बारे में आकलन करें। दूसरा सबक यह है कि हमारे सामने संकट कितना भी बड़ा क्यों न हो, हमें हार नहीं माननी चाहिए। यह भी कि खुद व परिवार को मौत के मुंह में धकेलना किसी समस्या का समाधान नहीं है। आज की पीढ़ी जल्दी मोटा मुनाफा कमाने की होड़ में बड़े कर्ज लेकर दांव तो खेलती है,लेकिन जरूरी नहीं हर जोखिम लाभदायक ही साबित हो। हमें अपनी सामर्थ्य और देशकाल परिस्थितियों का पूरा आकलन करके ही कदम उठाना चाहिए। यह भी हकीकत है कि नई पीढ़ी में वह धैर्य व संयम धीरे-धीरे कम होता जा रहा है, जो हमें संकट से जूझने का सामर्थ्य देता था। कभी संयुक्त परिवार हमें ऐसे संकट से निबटने की ताकत ही नहीं देते थे, बुरे वक्त में मदद भी करते थे। हमें ऐसे तमाम पहलुओं पर विचार जरूर करना चाहिए।

पूरे परिवार के खत्म होने के बाद कुछ समय के लिए जीवित बचे व्यक्ति ने चश्मदीद को बताया कि वह कर्ज में डूब गया था, कोई रास्ता नजर न आता देख सामूहिक आत्महत्या का निर्णय लिया। पुलिस के पहुंचने व चिकित्सीय प्रयासों के बावजूद परिवार में किसी व्यक्ति को बचाया नहीं जा सका। निश्चय ही यह दुखद घटना हर इंसान को उद्वेलित करती है। लेकिन यह भयावह घटना तमाम सवालों को जन्म देती है। आखिर इंसान कैसे सोच लेता है कि आत्महत्या कर लेना संकट का अंतिम समाधान है?

गुरु अर्जन देव के विचारों में जीवन-दर्शन की झलक

श्वेता गोयल

गुरु परंपरा की महिमा अपार है। भारतीय सनातन संस्कृति में गुरु का स्थान अत्यंत पूज्य माना गया है। इसी गौरवशाली परंपरा में सिख धर्म के पंचम गुरु अर्जन देव जी का स्थान विशिष्ट है। 30 मई को उनका शहीद दिवस है। उनके विचारों में संपूर्ण जीवन-दर्शन की झलक है। उन्होंने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से संपूर्ण मानव जाति को सत्य, सेवा और समर्पण का मार्ग दिखाया। गुरु अर्जन देव न केवल धार्मिक संत, बल्कि महान समाज सुधारक, कुशल संगठक और ज्ञान के अद्वितीय स्रोत थे। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मानवता की सर्वोच्चता को महत्व दिया। वे सभी धर्मों का सम्मान करते थे और बिना किसी भेदभाव के सभी की सहायता और सेवा करते थे। उनके पास दूर-दूर से विभिन्न धर्मों और आस्थाओं के लोग ज्ञान, शांति और मार्गदर्शन की खोज के लिए पहुंचते थे।

एक बार एक श्रद्धालु उनके पास पहुंचा और अत्यंत भावुक होकर कहने लगा कि गुरुजी, आपकी संगति में रहकर मैंने जीवन का सच्चा मार्ग जाना है। अब मैं लड़ाई-झगड़ों से दूर रहता हूं, सत्य के मार्ग पर चलता हूं और लोगों से प्रेम करता हूं, इसीलिए अब लोग भी मुझसे स्नेह करने लगे हैं। पहले कोई मेरा चेहरा तक नहीं देखना चाहता था लेकिन अब सभी मुझसे स्नेहपूर्वक मिलते हैं। यह सुनकर गुरु अर्जन देव मुस्कराए और बोले कि यदि समस्त मानव जाति इस सत्य का बोध कर ले तो यह संसार स्वर्ग बन जाएगा। उस श्रद्धालु ने स्वर्ण मुद्राओं से भरी एक थैली निकालकर गुरु जी की ओर बढ़ाई और आग्रहपूर्वक कहा कि मैं आपको यह भेंट देना चाहता हूं। उन्होंने विनम्रतापूर्वक स्वर्ण मुद्राएं लेने से मना कर दिया और कहा कि ज्ञान अनमोल होता है, उसका कोई मूल्य नहीं होता। यह निःस्वार्थ और निःशुल्क दिया जाता है। श्रद्धालु ने फिर भी आग्रह किया कि यह ज्ञान की कीमत नहीं बल्कि उसकी श्रद्धा का प्रतीक है। इस पर गुरु अर्जन देव ने कहा कि यदि तुम सचमुच कुछ देना ही चाहते हो तो इस ज्ञान को दुनिया में बांटो क्योंकि ज्ञान प्रसाद की भांति होता है और इसका वितरण ही इसकी सच्ची पूजा है। श्रद्धालु यह सुनकर भावविभोर हो गया और गुरु जी के चरणों में नतमस्तक होकर बोला कि आज आपने मुझे जीवन का सबसे बड़ा सत्य बता दिया। गुरु अर्जन देव का जीवन अनेक शिक्षाप्रद प्रसंगों से भरा है। एक बार बाला और कृष्णा नामक दो पंडित गुरु अर्जन देव के पास आए और बोले कि महाराज! हम कथा सुनाकर दूसरों को आत्मिक शांति तो देते हैं लेकिन स्वयं हमारे मन को शांति नहीं मिलती। हम क्या करें? गुरु अर्जन देव ने उन्हें बहुत सरल लेकिन गहन उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि जब तक तुम कथा वाचन को धन प्राप्ति का माध्यम समझकर करते रहोगे, तब तक तुम्हारा मन कभी शांत नहीं हो सकता। जब तक कर्म में निष्काम भाव नहीं होगा, तब तक आत्मिक शांति मिलना असंभव है। उन्होंने पंडितों से कहा कि कथा करते समय अपने मन को शुद्ध करो, कथा को परमात्मा की उपस्थिति में किया गया एक पवित्र कार्य मानो और जो उपदेश दूसरों को देते हो, उसे स्वयं भी जीवन में उतारो। यही वह मार्ग है, जिससे तुम्हारा चंचल और अशांत मन भी सच्ची शांति का अनुभव करेगा। गुरु अर्जन देव के ये उपदेश आज भी सार्थक और मूल्यवान हैं। गुरु अर्जन देव केवल उपदेशक नहीं थे बल्कि उन्होंने अपने जीवन में हर उस आदर्श को जिया, जो वे दूसरों को सिखाते थे। उन्होंने सेवा, विनम्रता और त्याग की ऐसी मिसाल पेश की, जो युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगी। आज के यांत्रिक और आत्मकेंद्रित युग में जहां मानवता हाशिये पर पहुंच गई है और लोग मानसिक अशांति से जूझ रहे हैं, वहां गुरु अर्जन देव के विचार एक प्रकाश स्तंभ की तरह मार्गदर्शन करते हैं। गुरु अर्जन देव का मानना था कि मन की शांति ही सच्चे सुख का मार्ग है। भौतिक वस्तुएं चाहे कितनी भी मिल जाएं लेकिन यदि मन अशांत है तो व्यक्ति कभी भी सच्चा सुख अनुभव नहीं कर सकता। उन्होंने जीवनभर सेवा, संतोष और आत्मसमीक्षा को प्राथमिकता दी। आज अधिकांश लोग मानसिक अशांति, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं से ग्रसित हैं। इसका मूल कारण यही है कि लोग अपने जीवन में आत्मसंतोष नहीं पा पाते। जब तक मन में संतुष्टि नहीं होगी, तब तक शांति भी नहीं मिल सकती। आत्मसंतोष और आंतरिक संतुलन ही सच्ची मन की शांति का मार्ग है। मन को शांत रखने का सबसे अच्छा उपाय है, सेवा का भाव, निष्काम कर्म और सत्य के मार्ग पर चलना। गुरु अर्जन देव की वाणी और उनका जीवन-दर्शन हमें सिखाता है कि सच्ची शांति केवल बाहरी साधनों से नहीं बल्कि आत्ममंथन, सेवा और निष्काम कर्म से मिलती है। यदि हम प्रतिदिन कुछ समय केवल अपने मन के साथ बिताएं, स्वयं से संवाद करें और आत्मा की आवाज को सुनें तो न केवल हमारी मानसिक शांति लौटेगी बल्कि हम एक बेहतर इंसान बन पाएंगे। उन्होंने शिक्षा दी कि बलिदान केवल शरीर का नहीं होता अपितु अपने विचारों, इच्छाओं और लालसाओं का भी होता है। उनका बलिदान इस बात का प्रतीक है कि सत्य और धर्म की रक्षा के लिए केवल शब्दों की नहीं, आचरण और संघर्ष की भी आवश्यकता होती है। उन्होंने अपनी शहादत से यह सिद्ध कर दिया कि जीवन की सार्थकता केवल जीने में नहीं बल्कि सत्य के लिए जीने और मरने में है।

एक बार एक श्रद्धालु उनके पास पहुंचा और अत्यंत भावुक होकर कहने लगा कि गुरुजी, आपकी संगति में रहकर मैंने जीवन का सच्चा मार्ग जाना है। अब मैं लड़ाई-झगड़ों से दूर रहता हूं, सत्य के मार्ग पर चलता हूं और लोगों से प्रेम करता हूं, इसीलिए अब लोग भी मुझसे स्नेह करने लगे हैं। पहले कोई मेरा चेहरा तक नहीं देखना चाहता था लेकिन अब सभी मुझसे स्नेहपूर्वक मिलते हैं। यह सुनकर गुरु अर्जन देव मुस्कराए और बोले कि यदि समस्त मानव जाति इस सत्य का बोध कर ले तो यह संसार स्वर्ग बन जाएगा। उस श्रद्धालु ने स्वर्ण मुद्राओं से भरी एक थैली निकालकर गुरु जी की ओर बढ़ाई और आग्रहपूर्वक कहा कि मैं आपको यह भेंट देना चाहता हूं। उन्होंने विनम्रतापूर्वक स्वर्ण मुद्राएं लेने से मना कर दिया और कहा कि ज्ञान अनमोल होता है, उसका कोई मूल्य नहीं होता। यह निःस्वार्थ और निःशुल्क दिया जाता है। श्रद्धालु ने फिर भी आग्रह किया कि यह ज्ञान की कीमत नहीं बल्कि उसकी श्रद्धा का प्रतीक है। इस पर गुरु अर्जन देव ने कहा कि यदि तुम सचमुच कुछ देना ही चाहते हो तो इस ज्ञान को दुनिया में बांटो क्योंकि ज्ञान प्रसाद की भांति होता है।

शराब पीने की रफ्तार गिरने लगी

अरविन्द मोहन

अब बिहार के जानकार लोग तो यह बात नहीं मानेंगे कि शराब की बिक्री की रफ्तार कुछ कम होने में उनके प्रदेश की शराबबंदी का भी योगदान है, असल में ऐसा हो सकता है। देश में शराब की मांग जहां तीन साल पहले बारह फीसदी की रफ्तार से बढ़ी वह अब गिरकर चार फीसदी और फिर दो फीसदी हो चुकी है और इस कारोबार के लोग इसे भी राहत की खबर ही मान रहे हैं क्योंकि वैश्विक स्तर पर शराब की खपत में एक फीसदी साल की कमी आती जा रही है। और यह कमी शराब कंपनियों की उत्पादन क्षमता घटाने या ब्रांड प्रोमोशन में ढील देने के चलते नहीं आ रही है। माना जाता है कि यह औसत क्रय शक्ति कम होने और शराब की कीमत के आबादी के एक हिस्से की क्रय शक्ति से बाहर होने के चलते हो रहा है। ये लोग दूसरी ओर सस्ती चीजों से नशा की लत शांत कर रहे होंगे, यह सामान्य अनुमान है। इसमें अधिक मारक ड्रग और घटिया कच्ची शराब शामिल है। इनके दुष्प्रभाव जगजाहिर हैं और अपने यहां, खासकर नशाबंदी वाले बिहार और गुजरात में, अक्सर कच्ची शराब पीने से मौत की खबरें आती हैं और ऐसे लोग शासन की चिंता से बाहर हो चुके हैं। अपने यहां जो कमी आ रही है वह मुख्यतरू शराब पर भारी कर लगाने से आ रही है। जीएसटी लागू होने के बाद से ज्यादातर राज्यों के राजस्व में कमी आई है। खर्च के आइटम बढ़ते ही जा रहे हैं, खासकर लोकलुभावन कार्यक्रमों से चुनाव जीतने की होड़ बढ़ने के कारण। सो सबको राजस्व बढ़ाने का एक ही सरल तरीका दिखता है- शराब की बिक्री बढ़ाओ और उस पर ज्यादा कर लगाकर खजाना भरो। दिल्ली में हमने भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकली आप की सरकार के इस खेल में शामिल होने का तमाशा देखा है। अब भाजपा सरकार ने बिक्री और उपलब्धता में किसी किस्म की सख्ती की हो इसकी सूचना नहीं है। ठीक उलटी सूचना पड़ोस के उत्तर प्रदेश की है जो आज देश में न सिर्फ सबसे ज्यादा शराब बेचता है बल्कि जिसकी बिक्री बढ़ाने की रफ्तार भी सबसे तेज है। योगी राज शुरु होते समय जो राजस्व 17250 करोड़ था वह अब पचास हजार करोड़ तक पहुंच चुका है। यही नहीं, इस सरकार की शराब के ठेकों की नीलामी नीति को भी शराब के व्यापार के लोग सबसे अनुकूल पाते हैं। नोएडा और गाजियाबाद देश में शराब की सबसे ज्यादा और तेज वृद्धि वाले जिले हैं। व्यापार के जानकार मानते हैं कि जो दुनिया का ट्रेंड है वह हमारे यहां भी है। लेकिन दो वजहों से हमारे यहां अभी कमी या गिरावट नहीं दिखती। गरीबी, क्रय शक्ति में कमी और घटिया नशा का रिकार्ड तो हमारा ही ज्यादा खराब है। लेकिन हमारे समाज में अब तक महिलाओं के शराब पीने का बुरा माना जाता था। आज समाज के एक समूह मे महिलाओं में शराब पीने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। बीते तीन दशक के उदारीकरण से पैदा और मजबूत हुआ यह वर्ग इससे लाभान्वित है और भारी कमाई वाले काम कर रहा है। इनमें लड़कियों की संख्या भी काफी है। शराब की खपत बढ़ाने वाला एक जमात यह भी है। एक दूसरा कारण विदेशी ब्रांड के शराब की उपलब्धता सुलभ होना है। कभी विदेशी शराब पर 350 फीसदी तक का सीमा शुल्क लगता था। आज यह सस्ता हुआ है या देश में ही उसका उत्पादन होने लगा है। इसके चलते भी मांग बढ़ी है। रम की बिक्री में सालाना एक फीसदी की वृद्धि हुई है, ब्रांडी में ढाई फीसदी तो वोदका में 19 फीसदी और जिन में पंद्रह फीसदी वृद्धि की रफ्तार है। व्हिस्की की मांग जरूर सबसे ज्यादा बनी हुई है और उसमें कमी आती नहीं दिखती। युवा वर्ग में शान, फैशन और मेलजोल का माध्यम बनने से भी शराब की लोकप्रियता और खपत बढ़ रही है। शराब व्यवसाय से जुड़े लोगों का मानना है कि उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा (जहां शराब अपेक्षाकृत सस्ती मिलती है) जैसे राज्यों में खपत ठीक रहने की वजह उदारीकरण से अमीर हुए वर्ग का यहां सिमटना भी बदलाव का एक पक्ष है। शराब की खपत या नशे का चलन हर कहीं बढ़ा है लेकिन अमीरी से शराब की बिक्री का सीधा रिश्ता है और शराब की खपत के साथ की और चीजों की मांग और खपत भी बढ़ती है। मांसाहार ऐसी एक चीज है। बढ़ने को तो उत्तर प्रदेश के हर जिले में शराब की मांग बढ़ी है (बिहार के सीमावर्ती जिलों में और भी ज्यादा) लेकिन गाजियाबाद और नोएडा का जोड़ नहीं है। हरियाणा में भी गुड़गांव और फरीदाबाद सबसे आगे है। जाहिर तौर पर बाजार इससे खुश है लेकिन बहुत बड़ा वर्ग ऐसा है जो लागत, कीमत और टैक्स बढ़ाने से महंगी हुई शराब नहीं ले पा रहा है। यह जमात बढ़ता जा रहा है। अनाज की कीमतों, न्यूट्रल अल्कोहल और कांच समेत पैकेजिंग के अन्य मटेरियल की कीमत बढ़ाने से शराब उद्योग पर भी जोर बढ़ा है। सरकार और उसके पास दाम और टैक्स बढ़ाने का विकल्प है लेकिन सोने के अंडों की चाह में मुर्गी हलाल हुई तो कुछ भी नहीं मिलेगा। इसके साथ ही यह भी सच है कि शराब पीने से जुड़े उत्पाद भी बढ़ते गए हैं-खासकर कमजोर और दिहाड़ी करने वाले वर्ग में। जहां ठेकों से सस्ती शराब का विकल्प है वहां भी वह क्या नुकसान करती है इस बारे में कोई अध्ययन करने या कराने की फुरसत किसी को नहीं है। जहां बंदिश है वहां राजस्व का या कथित विकास का क्या नुकसान हो रहा है यह हिसाब उंगलियों पर गिनवा दिया जाता है। लेकिन जगह-जगह शराब के खिलाफ आंदोलन भी हों रहे है, खासकर महिलाओं की तरफ से। जिन घरों के पुरुष अपनी कमाई और स्वास्थ्य शराब की भेंट चढ़ा देते हैं उस घर को चलाना महिलाओं के लिए कितना मुश्किल होता है यह कोई नहीं सोचता। लेकिन जब जहरीली शराब और जैसे तैसे बनाई अवैध शराब बड़े पैमाने पर जान लेती है तो सभी आंसू बहाने आ जाते है और फिर दूसरे दिन सब भूल भी जाते हैं।

देश में शराब की मांग जहां तीन साल पहले बारह फीसदी की रफ्तार से बढ़ी वह अब गिरकर चार फीसदी और फिर दो फीसदी हो चुकी है और इस कारोबार के लोग इसे भी राहत की खबर ही मान रहे हैं क्योंकि वैश्विक स्तर पर शराब की खपत में एक फीसदी साल की कमी आती जा रही है। और यह कमी शराब कंपनियों की उत्पादन क्षमता घटाने या ब्रांड प्रोमोशन में ढील देने के चलते नहीं आ रही है। माना जाता है कि यह औसत क्रय शक्ति कम होने और शराब की कीमत के आबादी के एक हिस्से की क्रय शक्ति से बाहर होने के चलते हो रहा है। ये लोग दूसरी ओर सस्ती चीजों से नशा की लत शांत कर रहे होंगे, यह सामान्य अनुमान है।

हिन्दी पत्रकारिता को व्यवसाय नहीं, मिशन बनाना होगा

हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर विशेष

ललित गर्ग

भारत में हिन्दी पत्रकारिता की न केवल आजादी के संघर्ष में बल्कि उससे पूर्व के गुलामी की बेड़ियों में जकड़े राष्ट्र की संकटपूर्ण स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, नये बनते भारत में यह भूमिका अधिक महसूस की जा रही है, क्योंकि तब से आज तक समाज की आवाज़ उठाने, सत्ता से सवाल पूछने और जनभावनाओं को मंच देने में इसका योगदान अविस्मरणीय रहा है। हिंदी पत्रकारिता या स्थानीय पत्रकारिता, लोगों को उनकी भाषा में जानकारी उन तक पहुँचाता है और देश भर में ज्ञान के व्यापक प्रसार को सुगम बनाता है। हर साल 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है, दरअसल दो शताब्दी पूर्व ब्रिटिशकालीन भारत में जब तत्कालीन हिन्दुस्तान में दूर दूर तक मात्र अंग्रेजी, फ़ारसी, उर्दू एवं बांग्ला भाषा में अखबार छपते थे, तब देश की राजधानी क्लकलकत्ताङ्क से हिन्दी भाषा में 'उदन्त मार्तण्ड' के नाम से पहला हिन्दी समाचार पत्र वर्ष 1826 को छपा था। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने इसे साप्ताहिक के तौर पर शुरू किया था। इसके प्रकाशक और संपादक भी वे खुद थे। भले ही अब यह समाचार पत्र बंद हो गया है, लेकिन इसने हिंदी पत्रकारिता के सूर्य को उदित कर दिया था जो आज भी देदीप्यमान है। उन्नीसवीं शताब्दी के अंत और बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में हिंदी के अनेक दैनिक समाचार पत्र निकले जिनमें हिन्दुस्तान, भारतोदय, भारतमित्र, भारत जीवन, अभ्युदय, विश्वमित्र, आज, प्रताप, विजय, वीर अर्जुन आदि प्रमुख हैं। बीसवीं शताब्दी के चौथे-पांचवें दशकों में अमर उजाला, आर्यावर्त, नवभारत टाइम्स, नई दुनिया, जागरण, पंजाब केसरी, नव भारत आदि प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र सामने आए। लोकतंत्र में मीडिया चौथे स्तंभ के रूप में खड़ा है, पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से हम देश की वर्तमान स्थिति से अवगत रहते हैं। पत्रकार अथक परिश्रम करते हैं, ताकि समाचार हमारे घर तक तुरंत पहुंचे। चाहे अखबारों के जरिए हो, टीवी चैनलों के जरिए हो या सोशल मीडिया के व्यापक प्रभाव के जरिए, नित-नये बनते एवं बदलते समाज में पत्रकारिता की शक्ति को कम करके नहीं आंका जा सकता। यह हमारे दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और सूचित संवाद को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हिन्दी पत्रकारिता में क्रांतिकारिता का रंग गणेश शंकर विद्यार्थी ने भरा था। उन्होंने उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर से 9 नवंबर 1913 को 16 पृष्ठ का 'प्रताप' समाचार पत्र शुरू किया था। यह काम शिव नारायण मिश्र, गणेश शंकर विद्यार्थी, नारायण प्रसाद अरोड़ा और कोरोनेशन प्रेस के मालिक यशोदा नंदन ने मिलकर किया था। शिव नारायण मिश्र और गणेश शंकर विद्यार्थी ने 'प्रताप' को अपनी कर्मभूमि बना लिया। विद्यार्थीजी के समाचार पत्र प्रताप से क्रांतिकारियों को काफी बल मिला। मुंशी प्रेमचंद महान लेखक-कहानीकार होने के साथ-साथ हिन्दी के क्रांतिकारी एवं जुझारू पत्रकार थे, उनकी पत्रकारिता भी क्रांतिकारी थी, लेकिन उनके पत्रकारीय योगदान को लगभग भूला ही दिया गया है। जंगे-आजादी के दौर में उनकी पत्रकारिता ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध ललकार की पत्रकारिता थी। वे समाज की कुरीतियों एवं आडम्बरों पर प्रहार करते थे तो नैतिक मूल्यों की वकालत भी करते थे। मेरा सौभाग्य है कि मैं राजस्थान के यशस्वी पत्रकार स्व. श्रीरामस्वरूप गर्ग के पुत्र होने के नाते विरासत में पत्रकारिता के मूल्यों को आत्मसात करने का मौका मिला। उन्होंने 1936 एवं उसके बाद के दौर में 'राष्ट्रवाणी' एवं 'परिवर्तन' जैसी पत्रिकाओं का प्रकाशन एवं सम्पादन किया। वे राजस्थान के प्रतिष्ठित दैनिक नवज्योति के साप्ताहिक रूप में निकले प्रारंभिक अंकों के सम्पादक रहे। इसका प्रारंभ पण्डित जवाहरलाल नेहरू के निजी सचिव रहे श्री रामनारायण चौधरी ने किया था। आज जबकि हिन्दी देश एवं दुनिया में सर्वाधिक बोली एवं प्रयोग की जाने वाली तीसरी भाषा बन चुकी है, ऐसे में सहज ही हिन्दी पत्रकारिता का मूल्य बढ़ा है। निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। अकबर इलाहाबादी ने इसकी ताकत एवं महत्व को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है कि 'न खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालो।' उन्होंने इन पंक्तियों के जरिए हिन्दी पत्रकारिता को तोप और तलवार से भी शक्तिशाली बता कर इनके इस्तेमाल की बात कह गए हैं। अर्थात कलम को हथियार से भी ताकतवर बताया गया है। पर खबरनवीसों की कलम को तोड़ने, उन्हें कमजोर करने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निस्तेज करने के लिए बुरी एवं स्वार्थी ताकतें सत्ता, तलवार और तोप का इस्तेमाल कर रही हैं। लेकिन तलवार से भी धारदार कलम इसीलिये इतनी प्रभावी है कि इसकी वजह से बड़े-बड़े राजनेता, उद्योगपतियों और सितारों को अर्श से फर्श पर आना पड़ा। हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता कई संकटों का सामना कर रहे हैं- संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, साम्प्रदायिकता एवं अंधधार्मिकता, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच हिन्दी पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र, कानून के शासन और मानवाधिकारों को आधार देने वाली संस्थाओं पर गंभीर प्रभाव के कारण ही यह भूमिका महत्वपूर्ण है। बावजूद इसके हिन्दी पत्रकारिता की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार हमले हो रहे हैं। कभी-कभी भारत में हिन्दी पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर सख्त पहरे जैसा भी प्रतीत होता है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि बड़ी सचाई है कि इन्हीं पत्रकारों के बल पर हमें आजादी मिली है। पत्रकारिता लोकहित में सरकार को कदम उठाने का रास्ता सुझाती रहती है, इसीलिए उसकी विश्वसनीयता होती है। मगर सरकारें जब उसके मूल स्वभाव को ही बदलने का प्रयास करती हैं, तो उसकी विश्वसनीयता पर प्रहार करती हैं। ऐसे में पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ न होकर प्रचारतंत्र में तब्दील होने लगती है। पत्रकारिता आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियों को दूर करने में मदद करती है। उसका लाभ उठाने के बजाय अगर उसका गला घोटने का प्रयास होगा, तो सही अर्थों में विकास का दावा नहीं किया जा सकता, नया भारत-सशक्त भारत निर्मित नहीं किया जा सकता। अगर कोई सरकार सचमुच उदारवादी और लोकतांत्रिक होगी, तो वह आलोचना से कुछ सीखने का प्रयास करेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी हिन्दी पत्रकारिता के प्रति हमारे अविश्वसनीय समर्थन को दोहराने की बात कही है जो लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है।' हिन्दी पत्रकारिता कभी मिशन था, आज व्यवसाय बन गया है। आजादी के आंदोलन तक मिशन रहा। धीरे?धीरे इसमें व्यापारी आने लगे। औद्योगिक घराने उतर गए। इनका उद्देश्य समाज सेवा नही रहा, व्यापार हो गया। ये व्यापार करने लगे। वह छापने लगे जिससे इन्हें लाभ हो। डिजिटल युग में टीआरपी और व्यूज ही सफलता का पैमाना बन गए हैं। गंभीर पत्रकारिता की जगह सनसनीखेज खबरें, गॉसिप, और 'डिबेट तमाशों' ने ले ली है। तथ्य की जगह धारणा, विश्लेषण की जगह उत्तेजना, और संवाद की जगह शोर ने कब्जा कर लिया है। एंकर शोर मचाकर चीखकर पाठकों को आकर्षित करन में लगे हैं। हिन्दी पत्रकारिता ऐसी अनेक चुनौतियों एवं विसंगतियों का सामना कर रही है। बीते कुछ वर्षों में पत्रकारिता का स्तर चिंताजनक रूप से गिरा है, जबकि पत्रकारों की प्रसिद्धि, प्रभाव और पहुंच पहले से कहीं अधिक बढ़ी है। यह विरोधाभास क्यों? पत्रकार बड़े होते जा रहे हैं, पर पत्रकारिता एवं उसके मूल्य-मानक क्यों सिकुड़ रहे है? आज फ़ेसबुक पत्रकार, न्यूज पोर्टल चलाने वाले पत्रकार, यूट्यूब चैनल चलाने वाले पत्रकारों की देश में बाढ़ सी आ गई है। टीवी पत्रकारिता का वर्चस्व बढ़ रहा है, बड़े एवं बहु-संस्करणों के दैनिक अखबार भी तेजी से बढ़ रहे हैं। आन लाइन समाचार पत्रों की रोज गिनती बढ़ती जा रही है। जिसे देखो पत्रकारिता कर रहा है। इतना सब होने के बावजूद पिछले कुछ साल में खबर एवं हिन्दी पत्रकारिता की विश्वसनीय घटी है। पत्रकारिता का स्तर गिरा है। पत्रकार का सम्मान घटा है। पहले माना जाता कि अखबार में छपा है तो सही होगा, किंतु मीडिया में आई खबर की आज कोई गारंटी देने को तैयार नहीं। पहले हिन्दी पत्रकारिता वैचारिक-क्रांति होती थी, आज खबर प्रधान बन गयी है, विचार लुप्त है। हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाना तभी सार्थक होगा जब उसे व्यवसाय नहीं, मिशन के तौर पर नये व्यक्ति, नये समाज, नये राष्ट्र का प्रेरक बनायेंगे।

हिन्दी पत्रकारिता में क्रांतिकारिता का रंग गणेश शंकर विद्यार्थी ने भरा था। उन्होंने उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर से 9 नवंबर 1913 को 16 पृष्ठ का 'प्रताप' समाचार पत्र शुरू किया था। यह काम शिव नारायण मिश्र, गणेश शंकर विद्यार्थी, नारायण प्रसाद अरोड़ा और कोरोनेशन प्रेस के मालिक यशोदा नंदन ने मिलकर किया था।

हेलमेट न लगाने पर सरकारी कर्मचारियों पर लगेगा डबल जुर्माना : जिलाधिकारी

- डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। गुरूवार को जिलाधिकारी श्रीमती जे0रीभा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। उन्होंने सभी सरकारी कार्मिकों से बिना हेलमेट लगाने पर डबल जुर्माना वसूल किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने बांदा बहराइच मार्ग एवं पेपरेंदा में सड़क किनारे ओवरलोड वाहनों को हटाए जाने तथा ओवरलोड वाहनों के संचालन के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। ई-रिक्शा से होने वाले जाम को खत्म किए जाने के संबंध में ई रिक्शा की नंबरिंग कराई जाने तथा रजिस्ट्रेशन की चेकिंग कराये जाने के निर्देश दिए। ई रिक्शा संचालन के लिए एकल मार्ग को और प्रभावी रूप से लागू किए जाने हेतु को ट्रैफिक एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने एवं कमी ले जाने हेतु चिन्हित दुर्घटना वाले स्थान पर संकेतक, डिवाइडर एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए सन्होंने रायबरेली बांदा मार्ग में नेशनल हाईवे के द्वारा 2 किलोमीटर के अवशेष मरम्मत कार्य को तत्काल ठीक कराए जाने तथा तिंदवारी में रोड से अतिक्रमण हटाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने बाबूलाल चौराहे पर डिवाइडर बनाए जाने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में बताया गया कि ओवरलोड वाहनों से माह अप्रैल में 123 लाख के प्रशमन शुल्क की वसूली की गई है। बिना हेलमेट के 682 एवं बिना सीट बेल्ट के 270 चालान किए गए हैं। उन्होंने विद्यालयों में सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूकता लाने हेतु प्रशिक्षण कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग, एन एच आई के अधिकारियों की एक कमेटी बनाकर सड़क दुर्घटना वाले कारणों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज, आरटीओ शंकर सिंह, अपर जिला अधिकारी नमामि गंगे मदन मोहन वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक दिनेश कुमार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड राजेश कुमार, जिला सूचना अधिकारी राम जी दुबे सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों की ग्रोथ मानिटरिंग अवश्य की जाए: डीएम

बांदा। गुरूवार को जिलाधिकारी बांदा श्रीमती जे0रीभा की अध्यक्षता में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त सुपरवाइजर एवं सीडीपीओ को निर्देश दिए कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों की ग्रोथ मानिटरिंग अवश्य की जाए तथा बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को पोषाहार का वितरण समय से किया जाए।

गौ तस्कर के आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ में किया गिरफ्तार

- घायल बदमाश को पुलिस ने अस्पताल कराया भर्ती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। मटौंध पुलिस व एसओजी टीम को बड़ी कामयाबी मिली है। संयुक्त टीम ने कार सवार 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान धरदबोचा। बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली पैर में लगने से बदमाश घायल हो गया। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया।

सीमावर्ती मध्यप्रदेश के सतना निवासी शातिर बदमाश फैजान को बांदा पुलिस गोवध और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत लगातार खोज रही थी। उसके ऊपर पुलिस ने 25 हजार का इनाम भी घोषित कर रखा था। बुधवार देर रात मटौंध थाना पुलिस और एसओजी संयुक्त कार्रवाई में फैजान को दबोचने में सफल रही। अपर एसपी शिवराज ने बताया कि मटौंध थानाध्यक्ष संदीप कुमार और एसओजी प्रभारी कृष्णदेव त्रिपाठी दल-बल के साथ गौरिहार-छतरपुर रोड में आलमखोड़ के पास वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मध्यप्रदेश की ओर से एक कार आई। पुलिस को देखकर चालक ने कार मोड़कर भागने का प्रयास किया। पीछा करने पर कार सवार बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली दाएं पैर में लगने से कार सवार बदमाश घायल हो गया। बदमाश को दबोचने के बाद पुलिस ने उसे अस्पताल ले आई और भर्ती कराया। बांदा पुलिस गोवध और पशुक्रूरता अधिनियम के तहत फैजान को लगातार खोज रही थी। बदमाश पर 25 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। पुलिस ने पकड़े गए बदमाश के पास से तमंचा, कारतूस और कार बरामद की। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने शानदार कामयाबी पर संयुक्त पुलिस टीम की पीठ थपथपाते हुए शाबासी दी।

संक्षिप्त समाचार

एसपी ने किया पुलिस लाइन का औचक निरीक्षण

बांदा। गुरूवार को पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल ने पुलिस लाइन बांदा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस लाइन में स्थापित विभिन्न कार्यालयों वाचक कार्यालय, आईजीआरएस शाखा, अपराध शाखा, चुनाव सेल, गुमशुदा सेल, मॉनिटरिंग सेल, साइबर क्राइम थाना, यूपी-112 कार्यालय, जिला नियंत्रण कक्ष, रेडियो शाखा आदि का निरीक्षण कर अभिलेखों को अद्यावधिक करने के निर्देश दिए गए । साथ ही पुलिस लाइन बांदा में चल रहे लघु एवं बृहद निर्माण कार्यों का जायजा लेकर कार्यों को गुणवत्ता पूर्ण तरीके से ससमय पूरा कराने हेतु निर्देश दिए गए । आगामी प्रशिक्षण हेतु आने वाले रिक्रूट आरक्षियों के बैरक, क्लासरुम, ग्राउंड, मेस आदि का निरीक्षण कर सभी कमियों को समय से दुरुस्त करने के भी निर्देश दिए । निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक बांदा शिवराज, क्षेत्राधिकारी सदर राजवीर सिंह गौर आदि उपस्थित रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरुआत

बांदा। ग्राम जसपुरा हाथा व पढ़ोरा सहित तीन ग्राम पंचायतों में विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरुआत की गई जिसमें भू संरक्षण अधिकारी हबीब खान खंड विकास अधिकारी जसपुरा ज्ञानेन्द्र सिंह पशु चिकित्सा अधिकारी डा. रवेन्द्र कुमार कृषि विज्ञान केंद्र बांदा डा चंचल सिंह सहायक अध्यापक कृषि विश्वविद्यालय बांदा डा. देव कुमार वरिष्ठ प्रादिक सहायक अजय कुमार सचान,सींचपाल मोहम्मद जहाँगीर, सहायक विकास अधिकारी कैसी वीर बहादुर सिंह,प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से शिवम रहे।

बाल विवाह व सरकारी योजनाओं के विषय में महिला कल्याण विभाग द्वारा किया गया जागरूकता कार्यक्रम

शाहजहांपुर। जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री गौरव मिश्रा के निर्देश के क्रम में बाल विवाह प्रतिषेध एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु महिलाओं एवं बालिकाओ को जागरूक करने हेतु को महिला कल्याण विभाग शाहजहांपुर द्वारा विकास खंड मदनापुर के ग्राम पंचायत बरखेड़ा जयपाल व नगला बन्नू के पंचायत घर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला मिशन कोऑर्डिनेटर अमृता दीक्षित ने महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से बाल विवाह , बाल श्रम, आदि की जानकारी दी गई म विभागीय योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, वन स्टाप सेंटर योजना, वृद्धा पेंशन योजना, दिव्यांग पेंशन योजना सामूहिक विवाह योजना , राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना,बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। चाइल्ड हेल्पलाइन से सुपरवाइजर शिवम पांडे द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना,निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना ,चाइल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1098, एवं अन्य सभी टोल फ्री नंबर 112,1090,181,108,102 आदि टोल फ्री नंबरों की जानकारी दी गई म कार्यक्रम में ग्राम प्रधान अर्चना, पंचायत सहायक पूजा, विकास, ग्राम प्रधान विपिन सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

एडीएम अरविंद कुमार ने नौ अभियुक्तों पर गुंडा एक्ट की कार्यवाही करते हुए किया जिलाबदर

शाहजहांपुर। एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविन्द कुमार सिंह ने नौ अभियुक्तों के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्य वाही करते हुए जिलाबदर करने की कार्यवाही की है साथ ही तीन अभियुक्तों को हर रोज थाना पर जाकर अपनी हाजिरी देने के निर्देश दिए हैं। जिन अभियुक्तों के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्यवाही की गई है उनमें राजवीर पुत्र तौले निवासी ग्राम बहेंगी खेड़ा थाना परौर, रघुवीर पुत्र तौले निवासी ग्राम बहेंगी खेड़ा थाना परौर, शत्रुघन प्रसाद शिवराम निवासी ग्राम सिकंदरपुर थाना मिर्ज़ापुर,शिवकुमार उर्फ लल्लू पुत्र मुंशी निवासी ग्राम खंडहर थाना जलालाबाद,रजनीश उर्फ चौसा पुत्र कल्लू निवासी आईटीआई थाना रोजा,चंद्रभान पुत्र नाथूलाल निवासी ग्राम बंदी कुनिया थाना गढ़िया रंगीन,डायबिन पुत्र संजीव निवासी ग्राम सिरोही कालोनी थाना रोजा,अनुज सिंह पुत्र ब्रजमोहन सिंह निवासी आनन्द पुरम कालोनी थाना चौक कोतवाली,पंकज मिश्रा पुत्र ओमप्रकाश निवासी थाना आल्हागंज शाहजहांपुर है।साथ ही तीन अभियुक्तों को प्रतिदिन अपने अपने छेत्र के थाने में जाकर हाजिरी देने के निर्देश दिए हैं।

चोरियों की घटना खुलासा, अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

- अभियुक्त के कब्जे से चोरी किया हुआ माल बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना बिसण्डा पुलिस द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है । गौरतलब हो कि थाना बिसण्डा क्षेत्र के लोधनपुरवा कस्बा बिसण्डा में 27 मई 2025 की रात्रि को तथा ग्राम पारा में 26/27 मई की रात्रि को अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी की गई थी । जिसके सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना बिसण्डा में अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्त की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे थे । इसी क्रम में थाना बिसण्डा पुलिस द्वारा गश्त एवं चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त को व्यास का पुरवा मोड़ कस्बा बिसण्डा से गिरफ्तार किया गया । पुलिस द्वारा कड़ाई से पूछताछ करने पर अभियुक्त द्वारा दोनों जगहों पर चोरी करने की घटना स्वीकार की गई।

अवैध सूखे गांजे की बिक्री करने वाले दो अभियुक्तों को पुलिस ने दबोचा

बांदा। थाना नरैनी पुलिस द्वारा घूम-घूम कर अवैध सूखे गांजे की बिक्री करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है । गौरतलब हो कि कल देर शाम थाना नरैनी पुलिस द्वारा गश्त एवं चेकिंग के दौरान मुखबिर के माध्यम से अवैध सूखे गांजे की बिक्री करने वाले 02 अभियुक्तों को थाना नरैनी क्षेत्र के के ग्राम नसैनी मोड़ से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तों के कब्जे से कुल 1200 ग्राम अवैध सूखा गांजा बरामद हुआ।

तिंदवारी नगर अध्यक्ष दीपक अनुरागी को किया गया मनोनीत

बांदा। विश्व हिंदू महासंघ गौरक्षा समिति के जिला अध्यक्ष महेश कुमार प्रजापति में जानकारी देते हुए बताया कि तिंदवारी ब्लाक अध्यक्ष त्रिपाठी तिंदवारी नगर अध्यक्ष दीपक अनुरागी को मनोनीत किया गया और आगे जिला अध्यक्ष बताया कि लगातार गौ रक्षा समिति के द्वारा गौ सेवा से संबंधित कार्य किया जा रहे हैं जैसे कि वर्तमान समय में भीषण गर्मी का समय चल रहा है इस समय जिले के जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा गौशालाओं से सभी गोवंशों को छुड़वा दिया गया है उनके खाने-पीने कोई व्यवस्था नहीं की गई ना ही उनके पीछे कोई चराने वाला लगाया गया है किंतु सुरक्षा को लेकर कोई ध्यान रखा जाए आज गोवंश पूरे जिले में पूर्ण रूप से असुरक्षित है लगातार गोवंशों की मौत भूख प्यास से हो रही है जो कि पूज्य महाराज योगी आदित्यनाथ महाराज जी के द्वारा कोई ऐसा आदेश नहीं किया गया गोवंशों को बाहर निकलने का और उनके द्वारा आदेशित किया गया है कि गोवंशों को गौशाला में रखकर ही सेवा की जाए और उनका संपूर्ण खाने-पीने की स्वास्थ्य की देखभाल के लिए डॉक्टरों की टीम में लगाई जाए।

रालोद कार्यालय में मनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री की पुण्यतिथि

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- पुण्यतिथि पर चौधरी चरण सिंह को किया गया याद

बांदा। गुरूवार को राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय में भारत रत्न किसान मसीहा श्रद्धेय पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि मनाई गई जिसमें सर्वप्रथम प्रमुख जिला महासचिव नईम नेता जी ने चौधरी चरण सिंह जी को माला पहनाकर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया एवं चौधरी चरण सिंह की जीवनी पर प्रकाश डाला और कहा कि किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह किसानों के कल्याण व उत्थान के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले महान किसान नेता थे इसी क्रम में जिला महासचिव वैश्य अमित गुप्ता मनीष ने बताया कि चौधरी चरण सिंह जी को किसान, किसानों का मसीहा कहते हैं और इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल बांदा के व्यापार सभा के जिला अध्यक्ष पंकज लखपति व्यापार सभा के जिला महासचिव रविंद्र गुप्ता अल्पसंख्यक के नगर अध्यक्ष मोहम्मद याकूब भाई युवा के नगर अध्यक्ष जीतू श्रीवास हरिओम शर्मा अनिल वर्मा शेखर भाई विकास भाई सहित पदाधिकारी मौजूद रहे।

विवाद के बाद युवक की मौत तीन आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फतेहपुर चौरासी-उन्नाव। गाड़ी खड़ी करने को लेकर हुए मामूली विवाद ने एक युवक की जान ले ली। घटना के दो दिन बाद पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सभी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। महपरापुर गांव में रहने वाले 19 वर्षीय सुमित का कुछ लोगों से गाड़ी खड़ी करने को लेकर कहासुनी हो गई थी। देखते ही देखते झगड़ा बढ़ा और धक्का-मुक्की में सुमित गिर पड़ा। गिरने के दौरान उसके सिर में गंभीर चोट आई। परिजन उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू की और शुक्रवार सुबह गांव से तीन युवकों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए युवकों में कुलदीप तिवारी और विनय (दोनों महपरापुर निवासी) तथा शोभित कुमार (निवासी शेरपुर अछिरछा) शामिल हैं। तीनों पर युवक की मौत में संलिप्त होने का आरोप है। पुलिस ने गिरफ्तार सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है, हालांकि पुलिस लगातार गश्त कर रही है।

अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति पर सम्मान समारोह

- नारी शक्ति, त्याग और जनसेवा की प्रतीक हैं माता अहिल्याबाई ऽ श्वेता भानू मिश्रा
- मोदी ने किया देश की वीरांगनाओं को जन-जन से जोड़ने का कार्य : अर्चना मिश्रा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी स्मृति के अवसर पर नगर पालिका परिषद उन्नाव की अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा के संयोजन में मोती नगर स्थित पार्क व्यू पैलेस में एक भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी अर्चना मिश्रा रहीं। अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने कहा कि ''माता अहिल्याबाई द्वारा नारी उत्थान और सामाजिक नवजागरण के लिए किए गए कार्य आज भी प्रेरणास्रोत हैं।'' उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि ''कांग्रेस सहित कई राजनीतिक दलों ने अहिल्याबाई जैसे महान चरित्र को कभी यथोचित सम्मान नहीं दिया।''

उन्होंने कहा कि ''माता अहिल्याबाई ने यह सिखाया कि शासक का सबसे बड़ा धर्म जनहित होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्व को सामने लाकर मातृशक्ति को नवगौरव दिलाया है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता अर्चना मिश्रा ने कहा कि ''माता अहिल्याबाई ने समाज में नारी को समान अधिकार दिलाने की दिशा में कई ठोस पहल की थीं। अपने व्यक्तिगत जीवन के संघर्षों को दरकिनार करते हुए उन्होंने समाज और धर्म के उत्थान को सर्वोपरि रखा।''

उन्होंने कहा कि ''प्रधानमंत्री मोदी का यह स्पष्ट संकल्प है कि देश की वीरांगनाओं को इतिहास की गलियों से निकालकर आज के समाज के प्रेरणास्त्रोत के रूप में प्रस्तुत किया जाए। माता अहिल्याबाई होल्कर उस महान परंपरा की प्रतीक हैं।''

कार्यक्रम का संचालन भाजपा युवा मोर्चा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा 'भानू' ने किया। कार्यक्रम में मौजूद गणमान्यः विधायक सदर पंकज गुप्ता, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आनंद अवस्थी, मंडल अध्यक्ष अवनीश गुप्ता, पूर्व चेयरमैन रामचंद्र गुप्ता, सहित नगर के विभिन्न वार्डों के सभासद, सभासद प्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मंदिर के पास चोरी की योजना बनाते तीन युवक दबोचे गए

- सोलर पैनल, औजार और 11,600 रुपये नकद बरामद, लोडर वाहन भी पकड़ा गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मौरावां (उन्नाव)। थाना क्षेत्र के तनगापुर गांव में मां त्रिकुटी देवी मंदिर के पास चोरी की योजना बना रहे तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से चोरी के उपकरण, नकदी, सोलर पैनल और लोडर वाहन बरामद किया गया है। पूछताछ में तीनों पर जिले के अन्य थानों में पहले से चोरी के मुकदमे दर्ज होना सामने आया है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ युवक मंदिर के पास चोरी की तैयारी कर रहे हैं। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया। पकड़े गए युवकों में मर्दनपुर मजरा अकोहरी गांव निवासी सरवन और रामखेलावन लोधी, तथा लच्छीखेड़ा गांव निवासी धीरज कश्यप शामिल हैं। तीनों के पास से छह सोलर लाइट पैनल, दो प्लास, पेचकस, आरी ब्लेड, आठ अलग-अलग नट खोलने वाले रिंच, एक टार्च, एक थैला और 11,600 रुपये नकद बरामद हुए। इसके अलावा एक लोडर वाहन (ठ्घ35 इङ्ख 5526) भी पुलिस ने जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि तीनों युवक एक गैंग के रूप में मिलकर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में शामिल रहे

अरुण कुमार सिंह, इन्द्रपाल सिंह, नवीन कुमार, विजय सोलंकी, राजेश कुमार, मुकेश चन्द्र, नीरज कुमार और वहीद खाँ।

अवैध रूप से दूसरे की जमीन पर कब्जा कर रह रहे दबंगों से खाली कराया गया कब्जा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- 42 वर्षों से कोर्ट में चल रहा था मुकदमा
- पीड़ित पक्ष के हक में हुआ अदालत का फैसला
- कोर्ट ने पुलिस प्रशासन को अवैध कब्जा हटवाने के दिए निर्देश

शाहजहांपुर। 42 वर्षों से चल रहे मुकदमे में अदालत ने पीड़ित पक्ष के हक में फैसला सुनाते हुए पुलिस प्रशासन को अवैध रूप से चार दशक से ज्यादा समय अवैध रूप से रह रहे दबंगों के कब्जे से मकान खाली कराने का आदेश जारी किया।अदालत के आदेश का पालन करते हुए पुलिस प्रशासन ने गुरुवार 29 मई को भारी पुलिस बल के साथ मौके पर जाकर अवैध रूप से रह रहे लोगों से कब्जा हटवाकर पीड़ित पक्ष को कब्जा दाखिल करा दिया।इस दौरान कुछ महिलाओं और वकीलों ने प्रशासन की कार्यवाही का विरोध करते हुए हंगामा किया जिस पर पुलिस प्रशासन ने कोर्ट का आदेश दिखाते हुए अपनी कार्यवाही शुरू की और पुलिस के साथ आए राजस्व कर्मियों ने पीड़ित पक्ष को कब्जा दाखिल करवा दिया।

नगर कंाट के मोहल्ला सैय्यद वाडा निवासी पीड़ित इशरत जहां के पिता स्व मोहम्मद अली ने विपक्षी यासीन उर्फ बड़े,रफी उर्फ भूरे आदि के खिलाफ न्यायालय में मुकदमा दायर कर रखा था कि उनकी जमीन पर उपरोक्त लोग अवैध रूप से कब्जा करके रहने लगे।कई वर्षों तक मुकदमा चलता रहा इसी दौरान पीड़ित मोहम्मद अली की मृत्यु हो गई। मोहम्मद अली की मृत्यु के बाद उनकी पुत्री इशरत जहां ने मुकदमे की पैरवी शुरू की।इस दौरान कई बार न्यायालय का फैसला आया लेकिन अवैध रूप से रह रहे लोगों ने कब्जा नहीं छोड़ा।

इस बार न्यायालय ने पीड़ित परिवार के हक में फैसला सुनाते हुए पुलिस प्रशासन को पीड़ित पक्ष को कब्जा दाखिल कराने के निर्देश दिए। न्यायालय के आदेश पर गुरुवार को एसडीएम सदर संजय कुमार पाण्डेय,सीओ सदर प्रयांक जैन कई थानों की फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे और अवैध रूप से रह रहे लोगों से कब्जा मुक्त करने को कहा इस पर महिलाएं और वकील पुलिस कर्मियों से उलझने लगे इस पर अधिकारियों ने न्यायालय के आदेश को मानते हुए पुलिस फोर्स तथा राजस्व विभाग से आए नायब तहसीलदार,,कानूनगो तथा अमीन श्रीधन मिश्रा के साथ कब्जा मुक्त कराने की कार्यवाही शुरू की।इसके बाद पीड़ित पक्ष ने विपक्षी लोगों का सारा सामान घर के बाहर रखवा दिया और पीड़ित पक्ष को कब्जा दाखिल करा दिया।

आधा दर्जन थानों की पुलिस फोर्स और अग्निशमन की गाड़ी और एसडीएम सदर सीओ सदर मोहल्ला सैय्यद वाडा में पहुंचे तो पूरे मोहल्ले में हलचल मच गई।सैकड़ों की संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए जिन्हें पुलिस फोर्स ने लाठियां फटकारते हुए मौके से हटा दिया।इसके बाद जो भी लोग मोबाइल से वीडियो बना रहे थे उनके मोबाइल पुलिस ने जब्त कर लिए,लगभग तीन घंटे तक चली इस कार्यवाही के दौरान विपक्षी की तरफ से दो तीन वकीलों ने पुलिस प्रशासन से उलझने की कोशिश की जिन्हें पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर हटा दिया।सीओ सदर और एसडीएम सदर के मौके पर पहुंचने के बाद विपक्षी लोग बैकफुट पर आ गए और महिलाओं को आगे कर खुद पीछे हट गए जिस पर महिला थाने से आई महिला पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए महिलाओं को मौके से हटा दिया।पुलिस की कार्यवाही देख विपक्षी वकील मौके से चले गए उसके बाद महिलाएं भी पीछे हट गईं।एसडीएम सदर और सीओ सदर ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर विपक्षी यासीन उर्फ बड़े,बिलाल पुत्र यासीन,रफी उर्फ भूरे,इरफान उर्फ बाबुए के कब्जे से कब्जा मुक्त कराने की कार्यवाही की गई है।

विश्व रक्तचाप माह के अन्तर्गत किया गया युवा संगठन का संवेदीकरण कार्यक्रम

- 31 मई को फोन पर विशेषज्ञ चिकित्सक आम जनमानस को बताएं हाइपरटेंशन से बचने के उपाय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। विश्व रक्तचाप दिवस के उपलक्ष्य में भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में एक माह तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर उच्च रक्तचाप की स्क्रीनिंग एवं उसकी महत्ता के प्रति आम जनमानस को जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके अंतर्गत एएनएम ट्रेनिंग सेन्टर में युवा स्वास्थ्य कार्यकर्तियों का संवेदीकरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने की।

उन्होंने बताया कि उच्च रक्तचाप शरीर के अंगो को प्रभावित करता है, इसको नियंत्रित करने हेतु समय समय पर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर निःशुल्क जांच एवं चिकित्सीय परामर्श के अनुसार निःशुल्क औषधि प्राप्त कर समयानुसार औषधि लेते रहें और अपने रक्तचाप को नियंत्रित रखे। जिला चिकित्सालय के डॉ शिशिर पांडे फिजिशियन द्वारा हाइपर टेंशन की जांच के सही तरीके को डेमो करके युवा स्वास्थ्य कार्यकर्तियों का उन्मुखीकरण किया गया। डॉ अखिलेश शुक्ला मनोचिकित्सक द्वारा तम्बाकू निषेध के बारे में विस्तार से चर्चा की गयी तथा तम्बाकू के दुष्प्रभाव से धमनियों के संकुचन से होने वाले हाइपरटेंशन के बारे में युवा कार्यकर्तियों का उन्मुखीकरण किया गया। डॉ राकेश कुमार गुप्ता (इपिडिमियोलॉजिस्ट) एनसीडी सेल द्वारा जीवन शैली में नित योग, व्यायाम एवं संतुलित आहार को अपनाकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने हेतु उन्मुखीकरण किया गया। विजय वर्मा (एफएलसी) एनसीडी सेल के द्वारा कोटपा अधिनियम के बारे में सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान के प्रयोग से होने वाली हानियों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का समापन नोडल अधिकारी एनसीडी सेल डॉ रवि मोहन गुप्ता द्वारा सभी कार्यकर्तियों को उन्मुखीकरण के दौरान बताई गयी बातों को जनमानस तक पहुंचाकर कार्यक्रम के उद्देश्य को सफल बनाने पर जोर दिया तथा जनपद को भारत सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में समस्त गतिविधियों का आयोजन कर जिले को सर्वोच्च स्थान प्रदान करवाने पर बल दिया तथा उक्त के क्रम में दिनांक 31 मई 2025 को सामान्य जन समुदाय को टॉक- शो के माध्यम से विषेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा दूरभाष संख्या 9120984643 पर प्रातः 11 बजे से 1 बजे के मध्य उनकी समस्याओ के निराकरण के आयोजन की जानकारी भी दी गयी। जिसमें हाइपरटेंशन एवं तंबाकू उन्मूलन हेतु विशेष बल दिया जाएगा।

शर्मा ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष राजेश वर्मा को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। मनरेगा मजदूर मिस्त्री महासंघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ नेता ऋषि संतोष कुमार शर्मा ने लखीमपुर खीरी पहुंच कर प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दिनांक 28/05/2025 को इंद्रा भवन लखनऊ पहुंच राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा से शाम लगभग 5:30 पर मुलाकात कर भेंट एवं विस्तृत वार्ता की। शर्मा ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष राजेश वर्मा को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। मनरेगा अध्यक्ष ऋषि संतोष कुमार शर्मा ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष राजेश वर्मा से वार्ता में कहा की पूरे उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री आवास योजना के आवंटन में पिछड़ी जातियों का आरक्षण नहीं है। पिछड़ी जातियों को आवासों में आरक्षण दिया जाए। शर्मा ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष राजेश वर्मा से जोर देकर कहा ग्राम समाज की विभिन्न मदों की जमीनों के पट्टे के आवंटन के पिछड़ी जातियों का आरक्षण संख्या के आधार पर 55 प्रतिशत किया जाए। उत्तर प्रदेश की स्कूल व महाविद्यालयों में पिछड़ी जातियों का आरक्षण नहीं इस लिय पिछड़ी जाति के लोग पढ़ाई में पीछे रह जाते है। उत्तर प्रदेश की सभी स्कूल व महाविद्यालयों में संख्या के आधार पर 55 प्रतिशत आरक्षण किया जाए। और श्री शर्मा ने कहा उत्तर प्रदेश में पिछड़ी जातियों की आबादी 55 प्रतिशत है उनको विधानसभा विधान परिषद लोकसभा राज्यसभा, गन्ना सोसाइटी, सभी बैंकों के चुनाव में पिछड़ी जातियों का आरक्षण किया जाए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि संतोष कुमार शर्मा ने जोर देकर कहा उत्तर प्रदेश सहित पूरे भारत में पिछड़ी जातियों का उत्पीड़न किया जाता है। इसका उत्पीड़न रोकने के लिय एक्ट बनाया जाए। जिससे पिछड़ी जातियों के 55 प्रतिशत लोग उत्तर प्रदेश में निर्वाह कर सकें व उनका उत्पीड़न रोका जा सकें।

मीट को लेकर बारातियों व जनातियों में हुई जमकर मारपीट, टूटी कुर्सियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। हैदराबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में बीती रात शादी समारोह में मीट न मिलने से नाराज बारातियों ने परोस रहे युवकों से की जमकर मार-पीट, विवाद में दूल्हे के पिता सहित तीन जनाती घायल हो गए जिसमें एक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है, दोनों पक्षों में हुई मारपीट में टेंट की करीब 25 कुर्सियां व तीन मेज भी टूट गई हैं खाना परोस रहे घायल युवक के पिता की तरफ से दूल्हे के पिता व अन्य तीन के विरुद्ध हैदराबाद पुलिस को लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है। थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम कोरैया सेमरई निवासी टीकाराम की पुत्री की शादी राकेश कुमार निवासी ग्राम बकशीशपुर थाना भीरा के बेटे के साथ होने के लिए बारात 28 मई को कोरैया गांव आई थी। खाने में बनी मीट न मिलने से अचानक बाराती भड़क गए और गाली -गलौज करते हुए खाना परोस रहे जनाती विकास पुत्र अनिल कुमार, पंकज पुत्र राकेश व आलोक पुत्र मालती प्रसाद निवासीगण कोरैया,थाना हैदराबाद से मारपीट शुरू कर दी , दोनों पक्षों में जमकर लात-घूसे चले फिर कुर्सियों से मारपीट शुरू हो गई,जिसमें जनाती की तरफ से तीन-चार युवक घायल हो गए बीच-बचाव करने पहुंचे दूल्हे के पिता राकेश कुमार के सिर में भी चोट लग गई। देखते ही देखते भोजन के लिए लगाया गया पंडाल रणभूमि बन गया। सूचना पर पहुंची यूपी 112 ने घायलों को सीएचसी गोला अस्पताल भिजवाया,ग्रामीणों ने वर-वधू दोनों पक्षों को किसी तरह समझा-बुझाकर शादी की बची शेष रस्मों को पूरा करने के लिए राजी कराया। जनातियों में गम्भीर घायल विकास कुमार के पिता अनिल कुमार द्वारा हैदराबाद थाने में दूल्हे के पिता सहित तीन अज्ञात के विरुद्ध मारपीट करने की लिखित तहरीर दी गई है। इस सम्बन्ध में हैदराबाद थाना प्रभारी प्रवीर गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि तहरीर मिली है,लेकिन घायल व्यक्ति अभी तक थाने नही आया है, यदि आते हैं तो मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जिला पंचायत सदस्य वारिस अली अंसारी ने किया जलालपुर डे-नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

गोला गोकर्णनाथ खीरी। बांकेगंज ब्लॉक क्षेत्र के जलालपुर में खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित डे-नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ 139 विधानसभा क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य वारिस अली अंसारी के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में कुकुहा और नीमगांव की टीमों के बीच भिड़ंत हुई। टॉस जीतकर कुकुहा की टीम ने पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्णय लिया। टीम ने निर्धारित 10 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 56 रन बनाए, जिससे नीमगांव को 57 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए नीमगांव की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर मैच जीत लिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित खुर्शीद खान ''जिला अध्यक्ष, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड,, एवं रज़ी खान ''जिला उपाध्यक्ष,, ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

रोडवेज कर्मचारी सयुंक्त परिषद समिति की बैठक में डग्गामार वाहनों पर कार्यवाही की मांग की

- सहायक प्रबंधक गोला डिपो को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। रोडवेज कर्मचारी सयुंक्त परिषद समिति की बैठक में प्रमुख पदाधिकारियों ने की भागीदारी । बैठक में अन्य विषयों के साथ राष्ट्रीयकृत मार्गों पर अनधिकृत अबैध रूप से संचालित हो रही डग्गामार वाहनों की स्थिति पर चर्चा हुई। डग्गामार वाहनों पर प्रभावी रोक लगाने को लेकर रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद द्वारा सहायक प्रबंधक गोला डिपो को ज्ञापन सौंपा। जनपद के उक्त स्थानों एवं परिवहन निगम की बस स्टेशन के समीप से हो रही खुलेआम डग्गामारी पर रोक लगाने की मांग की गई है।तथा जनपद की सीमा में गुजरने वाली ''अखिल भारतीय पर्यटक परमिट धारक बसों की सघन चेकिंग कराकर उनके द्वारा परमिट के शर्तों के किये जा रहे उल्लंघन के आधार पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की गई है।साथ ही यह चेताया गया है कि समय रहते इस पर प्रभावी रोक नहीं लगाई जाती, तो इस अवैध संचालन से परिवहन निगम की गिरती आमदनी और कम हो जाएगी,आय के नाम पर कर्मचारियों के वेतन से लगातार हो रही कटौती एवं आर्थिक ,मानसिक एवं शारीरिक उत्पीड़न के कारण इस जनपद के परिवहन निगम कर्मचारी शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करने को विवश होंगे। इसलिए इस स्थिति पर गम्भीरता से विचारकर डग्गामारी पर प्रभावी रोक लगवाने की मांग की है। इस मौके पर अध्यक्ष गोला डिपो प्रमोद कुमार मिश्रा, मंत्री आलोक कुमार अवस्थी व समस्त कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे।

आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश

फतेहपुर चौरासी-उन्नाव।स्थानीय थाना क्षेत्र के गांव महापरा पुर में मंगलवार रात कार निकालने को लेकर हुए विवाद में मामा के घर जा रहे युवक के साथ मारपीट के दौरान धक्का लगने से गिरे युवक के घायल हो जाने पर इलाज के लिए कानपुर ले जाते समय रास्ते में हुई मौत मामले में पोस्टमार्टम के बाद मृतक युवक का शव लेकर उसके परिवार वाले घर अलीगढ़ चले गए। उधर मृतक के मामा द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के आधार पर थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने भेज दिया है।महापरा पुर निवासी फतेहबहादुर सिंह का भांजा सुमित निवासी जनपद अलीगढ़ मंगलवार को अपने मामा के यहां जा रहा था तभी रास्ते गांव का कुलदीप अपना लोडर लिए खड़ा था जिसे हटाने को सुमित ने कहा जिसपर दोनों में विवाद हो गया।इसी मारपीट में कुलदीप ने सुमित को धक्का दे दिया जिससे वह गिरकर घायल हो गया।

संक्षिप्त समाचार

टूटी पाइपलाइन को प्रधान नितेश चौधरी ने कराया दुरुस्त

पलियाकला खीरी। निघासन पलिया रोड से तिलक पुरवा, फरसैया, बसंतापुर कलां आदि ग्रामों को आने जाने वाले लोगों के लिये परेशानी का कारण बनी टूटी पाइपलाइन को ग्राम प्रधान बसंतापुर कला नितेश चौधरी द्वारा स्वयं के व्यय पर दुरुस्त करवाया गया। मुख्य मार्ग के किनारे टूटी पड़ी उक्त जल आपूर्ति लाइन स्थानीय गांव वालों को स्वच्छ पेयजल आपूर्ति से जोड़ती है, जिसके टूटे होने के कारण ग्रामीणों को स्वच्छ जल की आपूर्ति में बाधा आ रही थी। स्थानीय ग्रामीणों ने इसके संदर्भ में कई बार ग्राम विकास अधिकारियों व अन्य जिम्मेदारों को अवगत कराया गया किंतु लाइन दुरुस्तीकरण के स्थान पर उल्टा शिकायतकर्ता ग्रामीणों को डराया धमकाया गया एवं जान से मारने की धमकी तक दी गई। हालांकि मामला कोतवाली में जाने के बाद ग्राम विकास अधिकारी एवं धमकी देने वाले व्यक्ति द्वारा माफी मांगेंगे जाने की जानकारी के बाद मामला वहीं दब गया लेकिन पूर्वाग्रह से ग्रस्त अधिकारियों ने टूटी पाइपलाइन को दुरुस्त करना अपनी तोहीन समझते हुए जन समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया। दूसरी तरफ टूटी पाइप लाइन से निरंतर बह रहे पानी के कारण जहां सड़क क्षतिग्रस्त हो रही थी वहीं आने जाने वाले ग्रामीणों को भी दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा था। पड़ोसी ग्राम बसंतपुर कलां के प्रधान नितेश चौधरी ने जनसमस्या को समझते हुये ब्लाक अधिकारियों की मौखिक स्वीकृति के बाद उक्त टूटी पाइपलाइन को दुरुस्त करवाकर ग्रामीणों की समस्या का समाधान करवाया। स्थानीय लोगों ने ग्राम प्रधान जनहित में करवाये गये कार्य की प्रशंसा करते हुये उनका आभार व्यक्त किया।

नीमगांव थाना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से आम जनमानस दहशत का माहौल

बेहजम खीरी। नीमगांव थाना क्षेत्र मे लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से आम जनमानस में दहशत का माहौल है पुलिस किसी भी घटना का खुलासा कर पाने में असमर्थ साबित हो रही है मालूम हो कि ग्राम रहमतपुर में बीती रात चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाया जिसमें एक घर से ?25000 की नगदी समेत करीब 10 लाख के कीमती जेवरात चुरा ले गए चोर ,वहीं गांव के दो अन्य घरों में भी चोरों ने चोरी का प्रयास किया जहां स्वजनों के जगाने कारण चोर चोरी करने में असफल रहे। जानकारी के मुतबिक़ नीमगांव थाना क्षेत्र में ग्राम रहमतपुर में बीती रात चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाया । जिसमें एक घर से 25 हजार की नगदी समेत लगभग 10 लाख की कीमती जेवरात लूट ले गए,वहीं दो अन्य घरों में भी चोरी ने चोरी का प्रयास किया पर वहां चोर चोरी करने में असफल रहे, वही रहमतपुर निवासी संजय मिश्रा पुत्र हरद्वारी लाल ने बताया बीती रात वह अपने परिवार के साथ छत पर लेटा था,सुबह जब स्वजन सो कर उठे तो देखा कि घर में समान बिखरा पड़ा हुआ था और कमरें का दरवाजा खुला पड़ा था,कमरे में रखा बक्सा भी गायब था,जिसमें 25 हजार की नगद समेत 10 लाख रुपए के कीमती जेवरात भी उठा ले गए,खोजबीन करने पर घर के बाहर कुछ दूरी पर खेत में बक्सा पड़ा हुआ मिला,उसमें से जेवर व नगदी गायब थे,वहीं दो अन्य घरों में चोरी का प्रयास किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक नीमगांव आलोक धीमान ने बताया रहमतपुर गांव में एक घर में चोरी की घटना हुई है,दो अन्य घरों में प्रयास किया गया था जहा चोर चोरी करने में असफल रहे,तहरीर मिलने पर मुकदमा पंजीकृत कर जांच की जा रही हैं।

संगोष्ठी का किया गया आयोजन

बांगरमऊ-उन्नाव। क्षेत्र के कलवारी रोड पर स्थित राधाकृष्ण महाविद्यालय में महिलाओं की वर्तमान स्थिति के विविध आयामों पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ. विकास कटियार ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया। मुख्य वक्ता डॉ. वंदना वर्मा का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप ने स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। डॉ. वर्मा ने अपने व्याख्यान में महिलाओं की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने पुराने रीति-रिवाज, अशिक्षा और समाज में बचपन से महिलाओं के प्रति भेदभाव को इसका प्रमुख कारण बताया। उन्होंने इन समस्याओं के समाधान के लिए उच्च और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रहनुमा, हैरी रावत, आयुषी, त्रिशा साहू, इकरा, कृतिका, ऐमन और अल्फिशा सहित कई छात्राएं मौजूद रहीं।

अनिल कुमार श्रीवास्तव-संघर्ष, समर्पण और सच्चाई की मिसाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। अनिल कुमार श्रीवास्तव एक ऐसे पत्रकार और लेखक हैं जिन्होंने अपनी लेखनी को जनसेवा का माध्यम बनाया। आज जब पत्रकारिता पर सवाल उठते हैं, तब श्रीवास्तव जैसे लोग उम्मीद की किरण बनकर सामने आते हैं। नोएडा जैसे आधुनिक शहर से निकलकर उन्होंने लखीमपुर खीरी जैसे जिले को अपनी कर्मभूमि बनाया और पत्रकारिता को नई दिशा दी। शुरुआती जीवन और शिक्षाः- अनिल श्रीवास्तव का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ। बचपन से ही उनमें समाज के प्रति गहरी संवेदनशीलता और सच्चाई को उजागर करने की ललक थी।लखनऊ में उन्होंने शिक्षा प्राप्त की और वहीं से पत्रकारिता की दुनिया में अपने कदम रखे। कैरियर की शुरुआतः- अनिल श्रीवास्तव ने पत्रकारिता की शुरुआत स्थानीय समाचार पत्रों से की लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने महसूस किया कि डिजिटल मीडिया ही वह प्लेटफॉर्म है, जो आम जनता की आवाज़ को बिना किसी रुकावट के सामने ला सकता है। इसी सोच के साथ उन्होंने ''दैनिक जन जागरण'' के नाम से एक डिजिटल न्यूज़ प्लेटफॉर्म शुरू किया, जो आज लखीमपुर खीरी के जनसमस्याओं और जमीनी सच्चाई को उजागर करने वाला एक विश्वसनीय माध्यम बन चुका है।

संघर्ष की कहानीः- श्रीवास्तव पिछले 14 वर्षों से डायलिसिस पर हैं। यह वह स्थिति है, जहाँ आम इंसान दिनचर्या और जीवन के प्रति उत्साह खो बैठता है। लेकिन अनिल श्रीवास्तव ने कभी हार नहीं मानी। डायलिसिस की पीड़ा को उन्होंने अपने मिशन के मार्ग में रोड़ा बनने नहीं दिया। वे नियमित रूप से समाचार संकलन, लेखन और वीडियो रिपोर्टिंग करते हैं, जिससे उनकी मानसिक और भावनात्मक मजबूती का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। पेशेवर उपलब्धियाँः- दैनिक जन जागरण डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कई ज्वलंत मुद्दों को उठाया। समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार, अन्याय और प्रशासनिक अनदेखी को उजागर करने में सक्रिय भूमिका। कई बार प्रशासन और राजनीतिक तंत्र के विरोध का सामना करने के बावजूद, सच्चाई से समझौता नहीं किया। सोशल मीडिया पर एक जागरूक, संवेदनशील और सक्रिय पत्रकार के रूप में पहचान। अनिल श्रीवास्तव न केवल एक पत्रकार हैं बल्कि वे एक विचारक, लेखक और समाजसेवी भी हैं। उनका जीवन दर्शन यह है कि ''पत्रकारिता केवल खबर देने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का दायित्व भी है।'' वे अपने लेखों में निष्पक्षता, सटीकता और मानवता का विशेष ध्यान रखते हैं। अनिल कुमार श्रीवास्तव उन चंद पत्रकारों में से हैं, जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी सच्चाई, समर्पण और संघर्ष से लोगों के लिए प्रेरणा बने हुए हैं। उनकी कहानी यह साबित करती है कि अगर इच्छाशक्ति हो, तो कोई भी बीमारी, कोई भी कठिनाई आपको अपने कर्तव्यों से नहीं रोक सकती।

अजान कस्बे से बगैर अनुमति के चल रही है दिल्ली के लिए डग्गामार बसे, प्रशासन खामोश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। हैदराबाद थाना की अजान चौकी क्षेत्र के स्थानीय कस्बे से दो डग्गामार बस बगैर परमिट के देश की राजधानी दिल्ली की ओर दौड़ लगा रही है। पुलिस, प्रशासनिक व परिवहन विभाग के अधिकारियो को जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। जिसके कारण डग्गामार बसों के संचालकों के हौसले बुलंद हैं।

प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ की सख्त चेतावनी को परिवहन विभाग द्वारा नजरअंदाज करके डग्गामार वाहनों के संचालन पर रोक नहीं लगा पारहा है। अजान कस्बे से प्रतिदिन दो डग्गामार बस दिल्ली के लिए संचालित हो रही है। यह बस रोजाना अजान कस्बे से घरथनिया, सिकंदराबाद, भीखमपुर, अमीरनगर ,मोहम्मदी, शाहजहांपुर होते हुए दिल्ली जाती है। दूसरे दिन प्रातः सुबह 5 बजे वापस आकर अजान कस्बे में खड़ी हो जाती है। बताया जा रहा है कि संचालित डग्गामार बसें रसूखदार लोगों की हैं। सूत्रों के अनुसार बताया जाता है कि इन बसों के संचालकों के पास परमिट भी नहीं हैं। आए दिन इन बसों की वजह से हादसे होते रहते हैं। सूत्रों के मुताबिक इन बसों में टैक्स चोरी कर माल ढोया जाता है और लाखों रुपए की टैक्स की चोरी प्रतिदिन की जाती है। अवैध रूप से रोज गुजरने वाली बसो के प्रति पुलिस, प्रशासनिक व परिवहन विभाग के अधिकारी अनदेखी करते देखे जा रहे हैं।कुछ लोगों का कहना है कि बस संचालकों को राजनीतिक आशीर्वाद प्राप्त होने के कारण इनके खिलाफ कार्रवाई करने का कोई भी अधिकारी हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है।

एक दिवसीय सत्संग समारोह हुआ आयोजित

- लोगों को दिया नशा मुक्ति और शाकाहारी बनने का संदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ-उन्नाव। क्षेत्र के गांव नया खेड़ा में दुर्गा मंदिर प्रांगण में आयोजित बाबा जय गुरुदेव के एक दिवसीय सत्संग समारोह में मुख्य वक्ता रायबरेली के प्रेमी बल्देव ने लोगों से नशा मुक्ति और शाकाहारी बनने का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से जीव हत्या कर अपने शरीर को कब्रिस्तान बनाने से रोकने की अपील की।

बाबा जयगुरूदेव के परम शिष्य बल्देव ने कहा कि इन आंखों से जो कुछ दिखाई दे रहा है, वह सब झूठ है। सिर्फ आत्मा और परमात्मा ही अजर, अमर और अविनाशी है। दरिद्रता अर्थात अज्ञानता से बड़ा कोई दुःख नहीं और संत मिलन से बढ़कर कोई सुख नहीं है। उन्होंने उपस्थित प्रेमियों को उपदेश दिया कि चरित्र मानव धर्म की सबसे बड़ी पूंजी है। नारी जाति का सदैव सम्मान करें। मेहनत की कमाई से परिवार का भरण-पोषण और परमार्थ करें। मांस, मछली, अंडा व मदिरा आदि के सेवन से शरीर में विकार उत्पन्न होते हैं। इन सभी विकारों से बचना है। कुसंग से बचें और जाति-पाति के झगड़े एवं ईर्ष्या भाव में कतई न फंसे। सबसे बड़े देवता मां-बाप और सास-ससुर की सेवा करें तथा प्रतिदिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर जयगुरुदेव नाम परमात्मा का सुमिरन और भजन करें। सत्संग में गिरीश यादव, गजोधर प्रजापति, लालू गौतम, मान सिंह यादव, राम दयाल कुशवाहा, राजकुमार यादव, दयाराम गौतम, रामसेवक यादव, छेद्दू गौतम, सुरेश यादव व आदि सहित सैकड़ों अनुयाई शामिल हुए।

गौतम बुद्ध की क्षतिग्रस्त मूर्ति का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, ग्रामीणों में आक्रोश

बांगरमऊ-उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के बेहरीपुरवा गांव में परिषदीय विद्यालय के पास लगी गौतम बुद्ध की मूर्ति के हांथ का पंजा किसी ने छतिग्रस्त कर दिया। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने मूर्ति का पंजा छतिग्रस्त देखा, तो तमाम ग्रामीण आक्रोशित हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मूर्ति का हांथ की मरम्मत करा दी। इस दौरान किसी ने छतिग्रस्त हुई मूर्ति की वीडियो शोसल मीडिया में वाइरल कर दी। ग्राम बेहरीपुरवा के पास परिषदीय विद्यालय के पास गौतम बुद्ध और भीम राव अंबेडकर की मूर्ति बनी हुई है। रात के समय किसी ने गौतम बुद्ध की मूर्ति के दाहिने हाथ का पंजा किसी वजनदार वस्तु से छतिग्रस्त कर दिया। गुरुवार सुबह उधर से निकले ग्रामीणों की नजर टूटी हुई मूर्ति पर पड़ी तो ग्रामीण अक्रोशित हो गए और तमाम ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए।मौके पर पहुंचे बांगरमऊ कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत सिंह ने एक कारीगर को बुलाकर मूर्ति के हांथ की मरम्मत करा दी।

हर घर जल योजना को मिलेगी नई गति, जिलाधिकारी ने समीक्षा कर गांवों में उतारे 40 अधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जालौन । जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने गुरुवार को विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मी बाई सभागार में हर घर जल नल योजना की प्रगति की गहन समीक्षा की और इस अवसर पर 40 जिला स्तरीय अधिकारियों को योजना से संतृप्त गांवों में तैनात किए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि संबंधित नोडल अधिकारी तकनीकी अधिकारी के साथ गांवों में जाकर पानी समितियों के साथ बैठक करेंगे, निर्माण कार्यों एवं पेयजल की गुणवत्ता का परीक्षण करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि हर घर तक शुद्ध, क्लोरीनयुक्त पानी पहुंच रहा है।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन स्थानों पर पाइपलाइन बिछाने से मार्गों को नुकसान हुआ था उनकी मरम्मत करा दी गई है और कितनी सड़क का निर्माण बचा है उसे भी पूरा करायेंगे। क्षतिग्रस्त सड़कों को उनकी समयबद्ध मरम्मत अनिवार्य रूप से कराई जाए ताकि ग्रामीणों को कोई असुविधा न हो। पेयजल योजनाओं के परिसर में हेल्प लाइन नंबर आदि लिखा होना चाहिए। गांव के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अंतिम छोर तक पानी की उपलब्धता भी सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पानी समितियों को सक्रिय कर जन सहभागिता को बढ़ावा दें, ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित करें और उनकी समस्याओं व सुझावों को प्राथमिकता दें। फीडबैक प्रणाली को मजबूत कर योजना के हर पहलू पर बारीकी से नजर रखी जाए। जनपद में जल जीवन मिशन को नई गति और नई दिशा देगा। ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता न केवल जनस्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह एक समृद्ध और सशक्त गांव की बुनियाद भी है।

आईपीएल एलिमिनेटर: गिल के टाइटंस और हार्दिक की मुंबई के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद

एजेंसी

मुल्लांपुर। खिताब के दावेदार के रूप में शुरुआत करने के बाद लड़खड़ाने वाली शुभमन गिल की अगुआई वाली गुजरात टाइटंस की टीम इंडियन प्रीमियर लीग के एलिमिनेटर में शुक्रवार को यहां पांच बार के चैंपियन मुंबई इंडियन्स से भिड़ेगी। एलिमिनेटर में हारने वाली टीम प्रतियोगिता से बाहर हो जाएगी जबकि विजेता टीम को दूसरे क्वालीफायर में खेलने का मौका मिलेगा। खराब शुरुआत के बावजूद मुंबई इंडियन्स की टीम प्ले ऑफ में जगह बनाने में सफल रही। टाइटंस ने पिछले चार सत्र में तीसरी बार प्ले ऑफ में जगह बनाई है और इस दौरान 2022 में पदार्पण करते हुए खिताब भी जीता। हालांकि गिल और

हार्दिक दोनों को ही काफी कुछ साबित करना है। अगर टाइटंस खिताब जीतता है तो भारत के नव नियुक्त टेस्ट कप्तान गिल की कप्तान के रूप में साख मजबूत होगी। हार्दिक को पिछले साल टीम में वापसी पर हूटिंग का सामना करने के बाद प्रशंसकों का प्यार वापस मिल गया है और आईपीएल ट्रॉफी से वह फ्रेंचाइजी के महान खिलाड़ियों की सूची में अपनी जगह पक्की कर लेंगे। हालांकि दोनों कप्तान को खिताब की तलाश में अपने सामने मौजूद मुद्दों का हल खोजना होगा। टाइटंस की टीम अधिक चिंतित होगी क्योंकि उसने प्ले ऑफ से पहले लय गंवा दी है। टीम ने अपने पिछले दो मैच में हार के दौरान विरोधी टीम को 465 रन बनाने दिए और प्ले ऑफ में उसे गेंद से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ मोहम्मद सिराज को पावर प्ले में टीम को सफलता दिलानी होगी। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अरशद खान को नई गेंद से संघर्ष करना पड़ा है जिससे टाइटंस की समस्याएं बढ़ गई हैं और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाजों पर दबाव बढ़ गया है जो मौजूदा सत्र में 23 विकेट के साथ टीम के लिए तुरुप का पत्ता साबित हुए हैं। तेज गेंदबाजी विभाग की कमजोरियों के अलावा स्पिन ऑलराउंडर राशिद खान की प्रभावहीनता ने गेंदबाजी में टीम की मुसीबतों को और बढ़ा दिया है। बल्लेबाजी विभाग में शीर्ष तीन बल्लेबाजों साई सुदर्शन, गिल और जोस बटलर ने टीम को प्ले ऑफ में जगह दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बटलर लीग चरण के बाद राष्ट्रीय टीम से जुड़ने के लिए स्वदेश रवाना हो चुके हैं और प्ले ऑफ में टीम को उनकी कमी खलेगी। बटलर के विकल्प के तौर पर टीम ने कुसाल मेंडिस को टीम में शामिल किया है लेकिन देखना होगा कि वह इंग्लैंड के इस स्टार बल्लेबाज की कमी को पूरा कर पाते हैं या नहीं। टाइटंस के मध्यक्रम में मौजूद शाहरूख खान और शेरफ़ेन रदरफोर्ड सबसे अधिक भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल नहीं हैं जिससे मुंबई के खिलाफ टाइटंस की राह आसान नहीं होगी। टाइटंस की तरह मुंबई को भी विदेशी खिलाड़ियों के जाने से नुकसान हुआ है।

लायंस के खिलाफ पहले 'अनधिकृत टेस्ट' से इंग्लैंड के हालात को समझने उतरेंगे भारतीय टेस्ट क्रिकेटर

एजेंसी

कैंटरबरी (इंग्लैंड)। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और हरफनमौला नीतिश कुमार रेड्डी समेत कई प्रमुख टेस्ट क्रिकेटर इंग्लैंड के हालात में ढलने की कोशिश करेंगे जब भारत ए टीम शुक्रवार से यहां इंग्लैंड लायंस के खिलाफ चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट खेलेगी। जायसवाल और नीतिश के अलावा भारत ए टीम में अभिमन्यु ईश्वरन, ध्रुव जुरेल, करूण नायर, तेज गेंदबाज आकाश दीप और शार्दुल ठाकुर भी हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला 20 जून से लीड्स पर शुरू होगी। करूण को छोड़कर बाकी सभी का यह पहला इंग्लैंड दौरा है। ईश्वरन की बात करें तो रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद भारत को जायसवाल के साथ पारी की शुरूआत के लिये एक बल्लेबाज चाहिये। इसके साथ ही विराट कोहली के संन्यास के बाद चौथे नंबर के लिये भी बल्लेबाज चाहिये। ईश्वरन प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 101 मैचों में पारी का आगाज कर चुके हैं।वह कई मौकों पर पहले भी अंतिम एकादश में जगह बनाने के करीब पहुंचे लेकिन चूक गए। अब रोहित के संन्यास के बाद वह सलामी बल्लेबाज या तीसरे नंबर के बल्लेबाज के तौर पर टीम में जगह बना सकते हैं। चयनकर्ता अगर केएल राहुल को सलामी बल्लेबाज की भूमिका देते हैं तो वह तीसरे नंबर पर और नये कप्तान शुभमन गिल चौथे नंबर पर उतर सकते हैं। करूण भी आठ साल बाद भारतीय टीम में लौटे हैं जिन्होंने 2023 . 24 सत्र में घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाये हैं। इंग्लैंड में नॉर्थम्पटनशर के लिये काउंटी क्रिकेट खेल चुके करूण को यहां के हालात का अच्छा अनुभव है। नीतिश रेड्डी ने 2024 . 25 के आस्ट्रेलिया दौरे पर पांच टेस्ट में एक शतक समेत 298 रन बनाये। भारत ए टीम और टेस्ट टीम में ठाकुर के चयन से साबित है कि टीम प्रबंधन गेंदबाजी में और आक्रामकता चाहता है। ऐसे में ठाकुर अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे। टेस्ट टीम में शामिल जुरेल और एक बार फिर उपेक्षा का शिकार हुए सरफराज खान खुद को तैयार रखेंगे ताकि अगर मौका मिलता है तो वे इसे भुना सकें। इंग्लैंड की बात करें तो जोर्डन कॉक्स की फिटनेस पर नजरें होंगी जो पेट की मांसपेशी में चोट के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट नहीं खेल पाये थे। 21 वर्ष के जेम्स रियू लायंस के कप्तान हैं और इस साल काउंटी चैम्पियनशिप में 55 की औसत से रन बना चुके हैं। स्पिनर रेहान अहमद और हरफनमौला क्रिस वोक्स भी टीम में हैं।

संक्षिप्त समाचार

'अनकैप्ड' खिलाड़ी हमारी सफलता की कुंजी रहे हैं : रिकी पोंटिंग

मुल्लांपुर। बरसों की नाकामी के बाद इस साल आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रही पंजाब किंग्स टीम में आये बदलाव के सूत्रधार रहे रिकी पोंटिंग का मानना है कि नीलामी में टीम की रणनीति और 'अनकैप्ड' (जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है) खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने इस सत्र में अलग तरह से खेलने की उनकी योजना को फलीभूत करने में मदद की। पंजाब किंग्स ने 2014 के बाद पहली बार प्लेआफ में जगह बनाई है। पंजाब की टीम लीग चरण में शीर्ष स्थान पर रही। पोंटिंग बतौर खिलाड़ी और मुख्य कोच मुंबई इंडियंस के साथ खिताब जीत चुके हैं जबकि सात सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के कोच रहे। पंजाब किंग्स से जुड़ने से पहले उन्होंने मालिकों को साफ तौर पर कहा था कि टीम संचालन में उन्हें पूरा नियंत्रण चाहिये। उन्हें खुली छूट देने के नतीजे सामने हैं कि टीम ने इतना शानदार प्रदर्शन किया। आईपीएल प्लेआफ से पहले पीटीआई से बातचीत में पोंटिंग ने कहा कि टीम से जुड़ने के साथ ही उन्होंने सुनिश्चित कर लिया था कि इस बार चीजें अलग होंगी। उन्होंने कहा ,'' हमने नीलामी से ही शुरूआत कर दी थी जब सिर्फ दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को बरकरार रखा जिसके लिये काफी आलोचना भी हुई। लोगों को लगा कि हमने गलती कर दी लेकिन मैं काफी स्पष्ट था कि टीम को कहां ले जाना चाहता हूं और उसके लिये हमने सही खिलाड़ी चुने। पोंटिंग ने कहा ,'' अभी तक सत्र अच्छा रहा है और मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में छह अनकैप्ड खिलाड़ी टीम में थे जिन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। हमने आपस में बात की थी कि हमें शीर्ष दो में रहना है और हम लीग चरण के बाद शीर्ष पर रहे। बहुत अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय कोर खिलाड़ियों और खासकर कप्तान श्रेयस अय्यर का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने कहा कि हमें वे सारे खिलाड़ी मिले जो हम चाहते हैं। युवा खिलाड़ी हों या अनुभवी विदेशी खिलाड़ी। ग्लेन मैक्सवेल और लॉकी फर्ग्युसन के जल्दी बाहर होने के बाद भी हमने लय नहीं खोई। भारतीय कोर खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा और बतौर कप्तान श्रेयस अय्यर ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया। भारतीय क्रिकेटरों के बारे में उन्होंने कहा कि प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य जैसे खिलाड़ी एक दिन भारत के लिये खेल सकते हैं। उन्होंने कहा ,'' मुझे लगता है कि चार खिलाड़ी ऐसे हैं जो भारत के लिये खेल सकते हैं। नीलामी में जाने से पहले मैने प्रियांश आर्य के वीडियो कई घंटे देखे और मुझे वह हर हालत में टीम में चाहिये था। प्रभसिमरन सिर्फ 24 साल का है और आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पहले अनकैप्ड खिलाड़ी बने। पोंटिंग ने कहा ,'' निहाल वढेरा भी मध्यक्रम में भारत के लिये खेल सकता है। वहीं शशांक सिंह का स्ट्राइक रेट और पारी के आखिर में चौके छक्के लगाने का कौशल उन्हें उपयोगी खिलाड़ी बनाता है।

सेल को चौथी तिमाही में 1,251 करोड़ का मुनाफा, 1.6 रुपये प्रति शेयर लाभांश घोषित

नई दिल्ली। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में महारत्न पीएसयू कंपनी सेल की शुद्ध आय पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 1,126 करोड़ रुपये से 11 फीसदी बढ़कर 1,251 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। इस्पात मंत्रालय ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि सेल ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजे घोषित कर दिए हैं। सेल को पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि के मुकाबले 16 फीसदी की वृद्धि हासिल हुई है। कंपनी ने आगामी एजीएम में शेयरधारकों के अनुमोदन के लिए 1.60 रुपये प्रति शेयर (अंकित मूल्य 10 रुपये प्रति शेयर) का अंतिम लाभांश प्रस्तावित किया है। मंत्रालय के मुताबिक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी का मुख्य परिचालन से राजस्व वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 4.8 फीसदी बढ़कर 29,316 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 27,958 करोड़ रुपये था, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज करता है। क्रमिक रूप से राजस्व 20 फीसदी अधिक था। सेल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि ''बदलती व्यापार नीतियों और आयात गतिशीलता द्वारा आकार लेने वाले वैश्विक इस्पात परिदृश्य में सेल लचीलापन और रणनीतिक चपलता का प्रदर्शन जारी रखे हुए है। उन?होंने कहा कि हमारे नवीनतम वित्तीय परिणाम परिचालन दक्षता, सतत विकास और स्टेकहोल्डर्स के लिए वैल्यू क्रिएशन के प्रति हमारी मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। प्रकाश ने कहा सेल राष्ट्रीय इस्पात नीति के अनुरूप नवाचार, लागत अनुकूलन और योजनाबद्ध भविष्य के विस्तार पर केंद्रित है। अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि वित?त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही जनवरी-मार्च में अंतरराष्ट्रीय टैरिफ और आयात दबावों से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद हमारा प्रदर्शन काफी मजबूत रहा है। ये जटिल परिस्थितियों से निपटने और हमारी स्थिति को मजबूत करने की हमारी क्षमता को रेखांकित करता है। उन?होंने कहा कि घरेलू इस्पात की मांग के लिए सहयोगी सरकारी नीतियां शुभ संकेत दे रही हैं। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, सेल राष्ट्रीय इस्पात नीति के अनुरूप नवाचार, लागत अनुकूलन और भविष्य के नियोजित विस्तार पर ध्यान केंद्रित किए हुए है।

स्पेक्ट्रम नीलामी: दूरसंचार विभाग ने मोबाइल स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए ट्राई से मांगे सुझाव

नयी दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1,800 मेगाहर्ट्ज, 2,100 मेगाहर्ट्ज और 2,300 मेगाहर्ट्ज सहित आठ मौजूदा बैंड में मोबाइल स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य, ब्लॉक आकार, मात्रा एवं अन्य तौर-तरीकों पर भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) से सुझाव मांगे हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इनके अलावा 2,500 मेगाहर्ट्ज, 3,300 मेगाहर्ट्ज और 2,6 गीगाहर्ट्ज बैंड के बारे में दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने दूरसंचार नियामक ट्राई से सुझाव मांगे हैं। दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार नियामक से 600 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए भी सुझाव देने को कहा है।

सात्विक और चिराग सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में, सिंधू और प्रणय बाहर

सिंगापुर। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने बृहस्पतिवार को यहां सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया लेकिन पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। सात्विक और चिराग ने दूसरे दौर के मुकाबले में साबर कार्यमन गुटामा और मोह रेजा पहलवी इस्फहानी की सातवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए एक घंटे 14 मिनट तक में 19-21 21-16 21-19 से जीत हासिल की। अगले दौर में भारतीय जोड़ी का सामना गोह से फ़ेई और नूर इज्जुद्दीन की दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी से होगा। पिछले कुछ हफ्तों से फिटनेस समस्याओं से जूझने के बाद वापसी कर रही भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को हालांकि दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी चीन की चेन यूफ़ेई के खिलाफ 65 मिनट चले कड़े मुकाबले में 9-21 21-18 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

विश्व कप से पहले सितंबर में भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के साथ तीन एकदिवसीय खेलेगी

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस साल देश में होने वाले आईसीसी विश्व कप की तैयारी के तौर पर सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की घरेलू एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को यह जानकारी दी। बीसीसीआई ने साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की पुरुष 'ए' टीमें सितंबर से नवंबर के बीच भारत का दौरा करेंगी और इस दौरान बहुदिवसीय और सीमित ओवरों के क्रिकेट मैच खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने बयान में कहा, ''ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम तीन मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करेगी जो आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 से पहले टीम की तैयारी में अहम भूमिका निभाएगा। महिलाओं की श्रृंखला के तीन मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 14, 17 और 20 सितंबर को खेले जाएंगे। भारत में 50 ओवर के महिला विश्व कप का आयोजन कई स्थलों पर 29 सितंबर से 26 अक्टूबर के बीच किया जाएगा। लगभग इसी समय ऑस्ट्रेलिया की पुरुष 'ए' टीम भी भारत दौरे पर होगी और यहां चार दिवसीय दो मैच खेलने के अलावा तीन एकदिवसीय मैच भी खेलेगी। दौरे की शुरुआत लखनऊ में 16-19 सितंबर तक चार दिवसीय मैच के साथ होगी। दूसरा मैच भी इसी स्थल पर 23-26 सितंबर तक खेला जाएगा। तीन एकदिवसीय मैच कानपुर में 30 सितंबर तथा तीन और पांच अक्टूबर को खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के बाद अक्टूबर-नवंबर में दक्षिण अफ्रीका की पुरुष 'ए' टीम के खिलाफ भी श्रृंखला होगी। बीसीसीआई ने बयान में कहा, ''दक्षिण अफ्रीका की पुरुष ए टीम भी विस्तृत श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करेगी जिसमें बहुदिवसीय और सीमित ओवरों के प्रारूप के मैच बेंगलुरु में खेले जाएंगे। दो बहुदिवसीय मुकाबले बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होंगे जबकि तीन एकदिवसीय मैच एन चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

कार्यक्रम: ऑस्ट्रेलिया महिला टीम का भारत दौरा:

14 सितंबर- पहला एकदिवसीय, चेन्नई
17 सितंबर- दूसरा एकदिवसीय, चेन्नई
20 सितंबर- तीसरा एकदिवसीय, चेन्नई

ऑस्ट्रेलिया पुरुष टीम का भारत दौरा:

16-19 सितंबर- पहला चार दिवसीय मैच, लखनऊ
23-26 सितंबर- दूसरा चार दिवसीय मैच, लखनऊ
30 सितंबर- पहला एकदिवसीय, कानपुर
3 अक्टूबर- दूसरा एकदिवसीय, कानपुर
5 अक्टूबर- तीसरा एकदिवसीय, कानपुर

दक्षिण अफ्रीका पुरुष टीम का भारत दौरा:

30 अक्टूबर-2 नवंबर: पहला चार दिवसीय मैच, बेंगलुरु
6-9 नवंबर: दूसरा चार दिवसीय मैच, बेंगलुरु
13 नवंबर: पहला एकदिवसीय, चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु
16 नवंबर: दूसरा एकदिवसीय, चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु
19 नवंबर: तीसरा एकदिवसीय, चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु।

हां , बिल्कुल है : कप्तानी के सपने पर बोले जडेजा

नयी दिल्ली। भले ही कप्तानी के दावेदारों में उनका नाम शामिल नहीं रहा हो लेकिन अनुभवी हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने कहा कि वह एक दिन भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी करना चाहेंगे चूंकि अपने लंबे कैरियर में अलग अलग कप्तानों के साथ खेलकर वह इस भूमिका को बखूबी समझ गए हैं। इंग्लैंड दौरे के लिये युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया जबकि ऋषभ पंत उपकप्तान होंगे। क्या वह भारत के टेस्ट कप्तान बनना चाहते हैं , यह पूछने पर छत्तीस वर्ष के जडेजा ने भारत के पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब चैनल पर कहा ,'' हां , बिल्कुल। इतने सालों में मैने अलग अलग कप्तानों के साथ खेला है। मुझे हर कप्तान की शैली के बारे में पता है और यह भी समझता हूं कि खिलाड़ी क्या सोचते हैं और चाहते हैं। भारत के लिये 2012 में पहला टेस्ट खेलने वाले जडेजा ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में तीनों प्रारूपों में पदार्पण किया था और आईपीएल में भी उनकी कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स के लिये खेले।

वित्त वर्ष 2024-25 में नोट की छपाई का खर्च 25 प्रतिशत बढ़कर 6,372.8 करोड़ रुपये: आरबीआई रिपोर्ट

एजेंसी

मुंबई। वित्त वर्ष 2024-25 में बैंक नोट की छपाई पर होने वाला व्यय सालाना आधार पर करीब 25 प्रतिशत बढ़कर 6,372.8 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 5,101.4 करोड़ रुपये था। भारतीय रिजर्व बैंक की बृहस्पतिवार को जारी 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान प्रचलन में मौजूद बैंक नोट का मूल्य एवं मात्रा क्रमशः छह प्रतिशत और 5.6 प्रतिशत बढ़ी। रिपोर्ट के मुताबिक, '' 2024-25 के दौरान 500 रुपये के बैंक नोट की हिस्सेदारी 86 प्रतिशत रही, जो मूल्य के हिसाब से मामूली रूप से घटी है। इसमें कहा गया है कि मात्रा की दृष्टि से प्रचलन में मौजूद कुल बैंक नोट में 500 रुपये मूल्यवर्ग के नोट की हिस्सेदारी सबसे अधिक 40.9 प्रतिशत रही। इसके बाद 10 रुपये मूल्यवर्ग के नोट की हिस्सेदारी 16.4 प्रतिशत रही। कम मूल्यवर्ग के बैंक नोट (10 रुपये, 20 रुपये और 50 रुपये) की प्रचलन में बने कुल बैंक नोट में हिस्सेदारी 31.7 प्रतिशत रही। मई 2023 में 2000 रुपये के बैंक नोट को प्रचलन से वापस लेने की शुरुआत की गई थी, जो गत वित्त वर्ष में भी जारी रही। घोषणा के समय प्रचलन में रहे 3.56 लाख करोड़ रुपये में से 98.2 प्रतिशत 31 मार्च 2025 तक बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए। रिपोर्ट के अनुसार, 2024-25 के दौरान प्रचलन में रहे सिक्कों के मूल्य और मात्रा में क्रमशः 9.6 प्रतिशत और 3.6 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। साथ ही वित्त वर्ष 2024-25 में प्रचलन में मौजूद ई-रुपी का मूल्य 334 प्रतिशत बढ़ा। प्रचलन में मौजूद मुद्रा में बैंक नोट, केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) और सिक्के शामिल हैं। वर्तमान में दो रुपये, पांच रुपये, 10 रुपये, 20 रुपये, 50 रुपये, 100 रुपये, 200 रुपये, 500 रुपये और 2000 रुपये के मूल्यवर्ग के नोट प्रचलन में हैं। रिजर्व बैंक अब दो रुपये, पांच रुपये और 2000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोट नहीं छाप रहा है। सिक्कों की बात करें तो 50 पैसे और एक रुपये, दो रुपये, पांच रुपये, 10 रुपये और 20 रुपये मूल्यवर्ग के सिक्के प्रचलन में मौजूद हैं।

जाली नोटों के संबंध में रिपोर्ट में कहा गया कि 2024-25 के दौरान बैंकिंग क्षेत्र में जब्त किए गए कुल जाली भारतीय मुद्रा नोट (एफआईसीएन) में से 4.7 प्रतिशत रिजर्व बैंक में पकड़े गए। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 10 रुपये, 20 रुपये, 50 रुपये, 100 रुपये और 2000 रुपये मूल्यवर्ग के जाली नोटों में कमी आई। वहीं 200 रुपये और 500 रुपये मूल्यवर्ग के जाली नोटों में पिछले वर्ष की तुलना में क्रमशः 13.9 और 37.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आरबीआई ने कहा कि वह बैंक नोट के लिए नई/उन्नत सुरक्षा विशेषताएं शुरू करने की प्रक्रिया को सक्रियतापूर्वक आगे बढ़ा रहा है। वह विदेशी स्रोतों पर निर्भरता कम करने के लिए पिछले कुछ वर्षों से बैंक नोट छापने के स्वदेशीकरण पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है। इसमें कहा गया, '' लगातार प्रयासों से बैंक नोट छापने के लिए उपयोग किए जाने वाले सभी प्राथमिक कच्चे माल, यानी बैंक नोट कागज, सभी प्रकार की स्याही (ऑफसेट, नंबरिंग, इंटैग्लियो और रंग बदलने वाली इंटैग्लियो स्याही) और अन्य सभी सुरक्षा संबंधी चीजें अब घरेलू स्तर पर खरीदी जा रही हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत: आरबीआई

नई दिल्ली/मुंबई। देश चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। भारतीय अर्थव्यवस्था को खपत में वृद्धि, बैंकों और कॉरपोरेट्स की स्वस्थ बैलेंस शीट से मदद मिलेगी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही है। आरबीआई ने गुरुवार को जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपने मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी ढांचे, मजबूत वित्तीय क्षेत्र और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का लाभ उठाकर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक यह स्थिति तब है जब वैश्विक वित्तीय बाजार में अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार विखंडन, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और जलवायु-प्रेरित अनिश्चितताएं विकास के दृष्टिकोण के लिए नकारात्मक जोखिम और मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण के लिए सकारात्मक जोखिम पैदा कर रही हैं। केंद्रीय बैंक के अनुसार व्यय पक्ष पर उपभोग मांग और शुद्ध निर्यात में सुधार तथा आपूर्ति पक्ष पर सेवा क्षेत्र में तेजी और कृषि उत्पादन में सुधार से भारत की आर्थिक गतिविधि को बल मिला है। उल्लेखनीय है कि देश की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 फीसदी तक कम होने के बावजूद भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। केंद्र सरकार शुक्रवार, 30 मई को वित्त विर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए जीडीपी का डेटा जारी करने वाली है।

बीएएसएफ इंडिया 2028 में कृषि क्षेत्र में 11 उत्पाद पेश करेगी

एजेंसी

हैदराबाद। रसायन संबंधी समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी बीएएसएफ इंडिया ने कहा है कि वह अगले तीन साल में यानी 2028 तक कृषि क्षेत्र में 11 नए उत्पाद पेश करेगी। कंपनी ने यहां चावल की फसल से संबंधित दो उत्पाद पेश करते हुए बताया कि उसने 2022 से अबतक 10 उत्पाद पेश किए हैं। कंपनी ने बुधवार को धान की फसल के लिए कीटनाशक (इंसेक्टिसाइड) वालेक्सियो और फफूंदनाशक (फंगीसाइड) मिबेल्या पेश किए। कंपनी ने बयान में कहा कि ये उत्पाद धान के किसानों को अच्छी और ज्यादा पैदावार करने में मदद करेंगे। बीएएसएफ एग्रीकल्चर सॉल्यूशंस की एशिया-प्रशांत क्षेत्र की उपाध्यक्ष सिमोन बर्ग ने कहा, ''भारत के साथ-साथ पूरे एशिया की सबसे प्रमुख फसल धान है। कीड़ों और फफूंद से धान की फसल को सालाना बहुत नुकसान होता है। इसी को रोकने के लिए हमने इस क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) कर ये उत्पाद पेश किए हैं। इससे देश में खाद्य सुरक्षा अभियान को बढ़ावा मिलेगा। बीएएसएफ के वैश्विक रणनीतिक एवं पर्यावरण अनुकूलन क्षेत्र के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मार्को ग्रोज्डानोविक ने कहा, ''कंपनी ने 2022 से अबतक कृषि क्षेत्र में नवोन्मेषण करते हुए 10 उत्पाद पेश किए हैं और 2028 तक यानी अगले तीन साल में 11 और उत्पाद पेश करेगी।

लगातार दूसरे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 400 रुपये से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,040 रुपये से लेकर 97,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 88,950 रुपये से लेकर 89,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज मामूली गिरावट आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु

दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 97,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

वन स्टॉप सेंटर योजना प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण योजना : रेनू गौड़

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फिरोजाबाद। राज्य महिला आयोग की सदस्य रेनू गौड़ ने गुरुवार को नवनिर्मित वन स्टॉप सेंटर व 100 शैय्या अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने कमियां मिलने पर नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए।

महिला आयोग की सदस्य रेनू गौड़ को नवनिर्मित वन स्टॉप सेंटर निरीक्षण के दौरान यहां की काउंसलर शिक्षा सारस्वत अनुपस्थित मिली। उन्होंने कहा कि अगर उनको अपने दायित्वों के निर्वहन में किसी प्रकार की कोई परेशानी हो रही है, तो अन्य जिम्मेदार व्यक्ति को इस दायित्व का निर्वहन सौंपे। उन्होंने वॉश बेसिन का निरीक्षण किया, जहां पर पानी इत्यादि की स्थिति ठीक नहीं मिली। कक्षों में कूलर नहीं लगे थे। साथ ही बिछे हुए गद्दे ख़राब मिले, जिस पर उन्होंने नए गद्दे और नई चादरें बिछाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही भीषण गर्मी को देखते हुए हर कक्षों में कूलर लगाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वन स्टॉप सेंटर योजना उत्तर प्रदेश में हिंसा से प्रभावित महिलाओं को आपातकालीन सहायता, आश्रय, कानूनी सहायता, चिकित्सा सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श, पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के लिए यह महत्वपूर्ण योजना है इसलिए इसके संचालन में किसी प्रकार की कोई लापरवाही न हो। साथ ही यहां पर समस्त व्यवस्थाएं दुरुस्त रहें। इसके पश्चात राज्य महिला आयोग की सदस्या रेनू गौड़ 100 शैय्या बेड आधारित स्वशासी राज्य महिला चिकित्सालय गयीं। यहां पर उन्होंने महिलाओं के लिए उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं की व्यवस्था को देखा। उन्होंने लेबर कक्ष, शिशु कक्ष इत्यादि व्यवस्थाओं को देखने के बाद कहा कि जॉनसन किट महीने में एक बार जरूर बांटे। निर्देशित किया कि हर कक्ष में टीवी अवश्य लगी हो, जहां पर महिलाओं से संबंधित जानकारी निरंतर प्रसारित की जाए और महिलाएं जागरूक हो सके। उन्होंने वहां उपस्थित महिलाओं से वार्ता की और उनको दी जा रहीं सुविधाओं के विषय में भी जाना। सदस्य ने कहा कि जो भी सुविधा यहां पर उपलब्ध नहीं है उनके लिए बजट की मांग शासन से करियें। अगर इसमें किसी प्रकार की परेशानी आती है, तो मेरी ओर से भी इसके संबंध में शासन स्तर पर पहल की जाएगी। उन्होंने वहां पर स्थित पैथोलॉजी और नवजात शिशु कक्ष का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने कोरोना के बढ़ते स्तर को देखते हुए इसके संबंध में तैयारियों का जायजा लिया।

घर के पास चबूतरे पर खून से लथपथ मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

मुरादाबाद। महानगर मुरादाबाद के थाना मझोला क्षेत्र स्थित जयंतीपुर में गुरुवार सुबह खून से लथपथ युवक का शव उसके घर के पास एक चबूतरे पर मिला है। सूचना पर पहुंची मझोला पुलिस टीम व फॉरेंसिक टीम ने मौके पर छानबीन की व परिजनों से बात की। मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक नगर ने बताया कि युवक के सिर पर चोट लगी हुई है। प्रथम दृष्टया यह रंजिशन हत्या का मामला लग रहा है। पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह ने थाना मझोला इंस्पेक्टर आरपी शर्मा को गुरुवार सुबह सूचना मिली कि मझोला क्षेत्र के जयंतीपुर स्थित तिकोना मस्जिद के पास एक युवक का शव पड़ा है। इंस्पेक्टर मझोला पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो पता चला कि वह शव पास में रहने वाले 21 वर्षीय शाहरुख का है। इसके बाद पुलिस क्षेत्र अधिकारी सिविल लाइन सर्किल के क्षेत्राधिकारी कुलदीप गुप्ता और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। घटनास्थल पर छानबीन के साथ मृतक के परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की। एसपी सिटी ने आगे बताया कि मृतक शाहरुख के सिर के पिछले हिस्से में चोट लगी हुई है, जिसके कारण उसकी मौत हुई है। प्रारम्भिक जांच में पता चला है कि मृतक शाहरुख का कुछ लोगों से संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा है। जिसको लेकर न्यायालय में मुकदमा विचाराधीन है। इसी मुकदमे को लेकर उसके ऊपर कुछ दबाव था। हो सकता है इसी के चलते रंजिशन उसकी हत्या की गई हो। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं थाना मझोला टीम जांच में जुट गई है जो भी आरोपित होगा उसे जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

प्रयागराज में मियावाकी जंगल सृजित करने को 237 स्थानों का हुआ चयन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। केन्द्र व प्रदेश सरकार लगातार पर्यावरण संरक्षण करने का प्रयास कर रहें है। इसी अभियान को मजबूत करने के तहत जंगल सृजित करने का अभियान भी चलाया जा रहे है। अभियान के तहत प्रयागराज में मियावाकी पद्धति से जंगल सृजित करने के लिए 237 स्थानों का चयन किया गया है। यह जानकारी गुरुवार को प्रयागराज मनरेगा विभाग के उपश्रमायुक्त गुलाब चन्द्र ने दी। उन्होंने बताया कि प्रयागराज जनपद में पौध रोपण अभियान को और मजबूत करने के लिए सभी विकास खंडों से ऐसे स्थलों को चिन्हित किया जा रहा है कि जहां हरित आवरण को तैयार किया जा सके। शासन की मंशा अनुसार सभी विकास खंडों से जंगल तैयार करने वाले सरकारी जमीन को खोजने का निर्देश दिया गया था। अभियान के तहत पूरे जनपद में 237 स्थानों का चयन हो चुका है जहां मियावाकी जंगल सृजित करने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस पद्धति से बहुत कम समय में जंगलों को घने जंगलों में परिवर्तित किया जा सकता है। यह कार्यविधि 1970 के दशक में विकसित की गई थी, जिसका मूल उद्देश्य भूमि के एक छोटे से टुकड़े के भीतर हरित आवरण को सघन बनाना था। इस कार्यविधि में पेड़ स्वयं अपना विकास करते हैं और तीन वर्ष के भीतर वे अपनी पूरी लंबाई तक बढ़ जाते हैं। मियावाकी पद्धति में उपयोग किये जाने वाले पौधे ज़्यादातर आत्मनिर्भर होते हैं और उन्हें खाद एवं जल देने जैसे नियमित रख-रखाव की आवश्यकता नहीं होती है। स्थानीय वृक्षों का घना हरा आवरण उस क्षेत्र के धूल कणों को अवशोषित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है जहाँ उद्यान स्थापित किया गया है। साथ ही पौधे सतह के तापमान को नियंत्रित करने में भी मदद करते हैं। इन वनों के लिये उपयोग किये जाने वाले कुछ सामान्य स्थानीय पौधों में अंजन, अमला, बेल, अर्जुन और गुंज शामिल हैं। ये वन नई जैव-विविधता और एक पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करते हैं जिससे मृदा की उर्वरता में वृद्धि होती है।

सुरक्षा जवान व सुपरवाइजर पदों पर 30 मई से लगेंगे भर्ती शिविर : डीआईओएस

- देश की बहुराष्ट्रीय कंपनी एसआईएस इंडिया लिमिटेड भारत के साथ विदेशी संस्थानों में भी सुरक्षा प्रदान कराती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। जिला विद्यालय निरीक्षक देवेन्द्र कुमार पांडेय ने गुरुवार को बताया कि भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद, नई दिल्ली और एसआईएस इंडिया लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में 30 मई से जिले के सभी ब्लॉकों के नौ कालेजों में सुरक्षा जवान व सुपरवाईजर पदों के लिए भर्ती शिविरों का आयोजन किया जायेगा। डीआईओएस ने आगे बताया कि सुरक्षा जवान भर्ती शिविर 30 मई एवं 31 मई को रामरतन इंटर कालेज बिलारी, दो एवं तीन जून को जेएलएम इंटर कालेज कुन्दरकी, चार एवं पांच जून को राजकीय इंटर कालेज सरकडा खास मुरादाबाद, 16 एवं 17 जून को राजकीय इंटर कालेज रतनपुर कला, 18 एवं 19 जून को राजकीय इंटर कालेज भोजपुर, 20 एवं 21 जून को किसान इंटर कालेज अगवानपुर, 23 एवं 24 जून को डीएसएम इंटर कालेज कांठ, 25 एवं 26 जून को सर्वोदय इंटर कालेज डिलारी सहित दिनांक 27 एवं 28 जून 2025 को मुस्लिम इंटर कालेज ठाकुरद्वारा में आयोजित किए जायेंगे। सुपरवाइजर के लिए न्यूनतम 12वीं पास, लम्बाई 170 सेमी, वजन 56-90 किलोग्राम, आयु 21 से 40 वर्ष होनी चाहिए। इन मानकों के आधार पर चयनित अभ्यर्थी को 350 रुपये पंजीयन शुल्क देय होगा। भर्ती अधिकारी नरेन्द्र कुमार ने बताया कि भारतीय संविधान के पसारा एक्ट-2005 के अनुसार एसआईएस इंडिया लिमिटेड देश की बहुराष्ट्रीय कंपनी है जो भारत के अतिरिक्त विदेशों में भी सरकारी/गैर सरकारी संस्थानों पर सुरक्षा प्रदान करती है।

युवक पर जानलेवा हमला, पुलिस जांच में जुटी

मीरजापुर, 29 मई (हि.स.)। मड़िहान थाना क्षेत्र के मटिहानी गांव में गुरुवार की सुबह एक किशोर लहूलुहान हालत में अचेत मिला है। उसके सिर पर धारदार हथियार के गहरे घाव और गला दबाने के स्पष्ट निशान देखकर गांव में सनसनी फैल गई। घटना सुबह करीब छह बजे की है, जब गांव के लोग दिन की शुरुआत होने पर अपने अपने कार्य के लिए निकल रहे थे। रास्ते में रोहित (17) को अचेत अवस्था में खून से लथपथ देख उसके पिता बाबूलाल को जानकारी दी। मौके पर परिजन पहुंचे और बेटे को सीएचसी राजगढ़ लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। राजगढ़ थानाध्यक्ष महेंद्र पटेल ने बताया कि पूछताछ में परिजनों से पता चला है कि बेटा रोहित बुधवार रात एक बारात में रोशनी के लिए रोड लाइट का गमला उठाने गांव के अन्य मजदूरों के साथ सेमरी गांव गया था। लेकिन सुबह गांव लौटते वक्त उसके साथ क्या हुआ, यह उन्हें जानकारी नहीं है। घटनास्थल मड़िहान होने के चलते राजगढ़ थाना पुलिस ने शुरूआती जांच के बाद मामले की रिपोर्ट ट्रांसफर कर दी है। मड़िहान पुलिस जांच कर

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

एसएसपी ने अपराध नियंत्रण को लेकर कसी कमर, मासिक अपराध गोष्ठी में दिए कड़े निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। जिले में कानून व्यवस्था को सशक्त और अपराधियों पर शिकंजा कसने की दिशा में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा पूरी तरह से एक्शन मोड में हैं। बुधवार शाम पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में आयोजित मासिक अपराध एवं कानून-व्यवस्था की समीक्षा गोष्ठी में उन्होंने जिले के समस्त पुलिस अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। गोष्ठी के दौरान एसएसपी ने जघन्य अपराधों की विवेचना, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी, मादक पदार्थों व अवैध शराब की तस्करी, गो-तस्करी और माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि शराब, भू, वन और खनन माफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महिला अपराधों पर खास फोकस रखते हुए एसएसपी बर्मा ने निर्देशित किया कि पॉक्सो एक्ट और दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों की विवेचना समयबद्ध और प्रभावी होनी चाहिए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके। इसके अलावा ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत न्यायालय में चार्जशीट दाखिल करने, एफआर की प्रक्रिया में तेजी लाने और अधिकतम सजा दिलाने पर जोर दिया गया। सार्वजनिक स्थानों, रेलवे स्टेशन, रोडवेज, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में फुट पेट्रोलिंग और संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए गए। ईनामिया अपराधियों, हिस्ट्रीशीटरों और टॉप-10 अपराधियों की धरपकड़ को प्राथमिकता में रखते हुए प्रभावी कार्रवाई के आदेश दिए गए। इसके अतिरिक्त गुमशुदगी, दुर्घटना, चरित्र सत्यापन, पासपोर्ट और शस्त्र लाइसेंस मामलों की रिपोर्टिंग में तेजी लाने, न्यायालय से निर्गत सम्मन/वारंट की समयबद्ध तामील सुनिश्चित करने, और लंबित मुकदमों के निस्तारण की दिशा में भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। गोष्ठी में अपर पुलिस अधीक्षक नगर, एएसपी ऑपरेशन, समस्त क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, शाखा प्रभारीगण, आबकारी अधिकारी समेत प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा पर विशेष ध्यान, सीसीटीवी से लगातार निगरानी के निर्देश: जिलाधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने गुरुवार को पहड़िया स्थित जिला निर्वाचन कार्यालय के ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस के चारों ओर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की स्थिति की समीक्षा की और कंट्रोल रूम में जाकर निगरानी व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि वेयरहाउस की बाह्य सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से होने वाली निगरानी लगातार होनी चाहिए। उन्होंने निर्वाचन कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को भारतीय निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि ईवीएम से संबंधित सभी सुरक्षा मानकों का पालन कराया जाय। निरीक्षण के समय विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

बीएचयू ने सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए ओपन जिम का मॉडल प्रस्तुत किया

- जिम ने लोगों की जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाए, हालिया शोध में हुआ खुलासा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) ने स्वास्थ्य और शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। परिसर में चार ओपन जिम की स्थापना कर विश्वविद्यालय प्रशासन ने न केवल विद्यार्थियों और कर्मचारियों बल्कि आम नागरिकों के लिए भी स्वस्थ जीवन शैली का मार्ग प्रशस्त किया है। हाल ही में बीएचयू के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक मिश्र विधि अध्ययन में यह बात सामने आई कि ये ओपन जिम न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हैं, बल्कि सामाजिक जुड़ाव, सामुदायिक स्वास्थ्य और पर्यावरण जागरूकता को भी बढ़ावा देते हैं। यह अध्ययन जर्नल ऑफ हेल्थ, पॉपुलेशन एंड न्यूट्रिशन में प्रकाशित हुआ है। शोध टीम में महिला महाविद्यालय की प्रो. ललिता वत्ता, डॉ. नेहा राठी, तथा उपासना पाण्डेय, आंचल पाण्डेय एवं विंदेश्वरी येलम शामिल रहे। प्रोफ़ेसर ललिता के अनुसार ओ जी -सी नामक जिम को चार माह की अवधि में सबसे अधिक 3,384 उपयोगकर्ता मिले। ग्क्ष्क और ग्क्ष्उ भी काफी लोकप्रिय रहे। इन जिमों का उपयोग विश्वविद्यालय के छात्र, शिक्षक, कर्मचारी और आसपास के नागरिक करते हैं। इसमें शामिल प्रतिभागियों ने वजन कम होना, मानसिक तनाव में कमी, मधुमेह नियंत्रण, हड्डियों के दर्द में राहत जैसे लाभ बताए। प्राकृतिक वातावरण ने मानसिक ऊर्जा और प्रेरणा को भी बढ़ाया। सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावः जिम न केवल व्यायाम का स्थान हैं, बल्कि सामाजिक मेल-जोल और मानसिक भलाई के केंद्र भी बन गए हैं। भारत में 34 फीसद लोगों में शारीरिक निष्क्रियता की दर दक्षिण एशिया में सबसे अधिक है। ऐसे में बीएचयू का यह मॉडल एक व्यवहारिक, टिकाऊ और समाजहितकारी उपाय के रूप में उभरता है, जिसे देशभर के विश्वविद्यालयों में अपनाया जा सकता है।

मुठभेड़ में सिपाहियों पर हमला करने वाले पिता-पुत्र गिरफ्तार, बेटे को लगी गोली

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हमीरपुर। जिले के बिंवार थाना क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान सिपाहियों पर हमला करने वाले पिता पुत्र को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई में बेटा गोली लगने से घायल हुआ है। वहीं एक अन्य घटना में मुठभेड़ कर मदौहा पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया गया है।तीनों आरोपितों के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। बिंवार थाना क्षेत्र के चमरखन्ना गांव निवासी वरदानी ने यूपी-112 को बुधवार और गुरुवार की रात पौने दो बजे सूचना दी थी कि गांव में बलिन्द्रा वर्मा शराब के नशे में झगड़ा कर रहा है। सूचना मिलते ही पीआरबी कमांडर हेड कान्सटेबिल सुरेश कुमार व चालक हेड कान्सटेबिल संजय कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। मौके पर बलिन्द्रा वर्मा व सिद्ध गोपाल उर्फ सिद्धा ने अचानक दोनों पुलिस कर्मियों पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। कुल्हाड़ी लगने से संजय कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। हमलावरों ने सिपाही को दांतों से काटकर भी जख्मी कर दिया। दोनों सिपाही जान बचाकर भागे। गंभीर रूप से घायल सिपाही को मौदहा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां इलाज कर रहा है। इस मामले में बिंवार थाना प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार ने दोनों हमलावरों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तलाश पुलिस टीमें लगाई गई। इस बीच तड़के पुलिस ने सिपाहियों पर हमला करने वालों की घेराबंदी की। पुलिस को देख आरोपितों ने फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से बालेन्द्र पुत्र सिद्ध गोपाल घायल हो गया। मुठभेड़ में पिता सिद्ध गोपाल को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। एएसपी मनोज गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि पुलिस टीम के सिपाही पर जानलेवा हमला करने वाले अपराधियों ने पुलिस को देख फायरिंग की थी जिसके जवाब में पुलिस को भी गोली चलानी पड़ी। गोली लगने से आरोपित बालेन्द्र घायल हुआ है, जिसे इलाज के लिए मौदहा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके कब्जे से अवैध असलहे व कारतूस बरामद किए गए हैं। सीओ विनीता पहल ने गुरुवार को बताया कि मौदहा क्षेत्र के मदारपुर गांव के मोड़ पर पुलिस चेकिंग कर रही थी। तभी एक संदिग्ध शख्स पुलिस को देख भागने लगा। पुलिस ने उसे रुका तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की तो नारायच गांव निवासी अरमान लाला पुत्र गयासुद्दीन पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे अरेस्ट कर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। मौके से एक तमंचा व कारतूस पुलिस ने बरामद किए हैं। गिरफ्तार अपरोपित हिस्ट्रीशीटर है जिसके खिलाफ कई मुकदमे थाने में दर्ज है और पहले भी जेल जा चुका है।

शादी का झांसा देकर युवक ने महिला के साथ किया दुष्कर्म, अब धर्म परिवर्तन का बना रहा दबाव

जालौन। कदौरा थाना क्षेत्र में एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ धोखाधड़ी और जबरन धर्म परिवर्तन कराने का मामला सामने आया है। एक मुस्लिम युवक ने चार साल तक महिला के साथ मेलजोल बढ़ाकर शादी का झूठा वादा किया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान उसने चुपके से वीडियो भी बना लिया, जिसके बाद उसने महिला को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। जब पीड़िता ने विरोध किया तो उसे बदनाम करने और जान से मारने की धमकी दी गई। अब आरोपित युवक उस पर मुस्लिम धर्म अपनाने का दबाव बना रहा है, जिसके बाद पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार को बताया कि कस्बा निवासी रहीश अहमद पुत्र शहीद करीब चार साल पहले उसके संपर्क में आया था। धीरे-धीरे दोनों के बीच मेलजोल बढ़ा और आरोपित ने उससे शादी करने का झूठा वादा किया। इसी बहाने उसने महिला के साथ दुष्कर्म किया और चुपके से वीडियो भी बना लिया। कुछ दिनों बाद जब उसने फिर गलत इरादे से संपर्क किया तो पीड़िता ने विरोध किया। इस पर आरोपित ने धमकी दी कि अगर उसने शिकायत की तो वह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा और उसे बदनाम कर देगा।